CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-25
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 30 अप्रैल 2024

आज का विचार

इंसान की वाणी एक कीमती आभूषण है, इसके गलत इस्तेमाल से इंसान की चमक फीकी पड़ जाती है

राहुल आज भिंड में जनसभा को करेंगे संबोधित, 2 मई को मुरैना में प्रियंका

भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे और चौथे चरण के लिए मतदान होना है। इसके लिए राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं का प्रदेश में जमावड़ा लगना जारी है। इसी क्रम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी मंगलवार को कांग्रेस प्रत्याशी फूलसिंह बरैया के समर्थन में भिंड में रैली करेंगे। यह मौजूदा चुनाव में राहुल गांधी का मध्य प्रदेश का दूसरा दौरा है। इससे पहले राहुल गांधी पहले चरण की सीट पर प्रचार के लिए आठ अप्रैल को मंडला और शहडोल में रैली करने आए थे। वहीं, 21 अप्रैल को राहुल गांधी सतना आने वाले थे, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के चलते उनकी जगह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे आए और जनसभा को संबोधित किया था। राहुल गांधी चुनाव के चौथे चरण में भी प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। वे 6 मई को झाबुआ और 7 मई को बड़वानी दौरे पर रहेंगे। बता दें, झाबुआ और बड़वानी सीटों पर चौथे चरण में मतदान होगा। प्रदेश में चौथे चरण में 13 मई को 8 सीटों पर मतदान होगा। प्रदेश में पहले चरण और दूसरे चरण में छह छह कुल 12 सीटों पर मतदान हो चुका है। अब तीसरे और चौथे चरण में 17 सीटों पर मतदान होना है।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले की सीबीआई की जांच पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सीबीआई जांच पर रोक लगा दी। कोर्ट ने पूछा है कि क्या 25 हजार नियुक्तियों में से सही तरीके से किए गए टीचर्स के अपॉइंटमेंट को अलग किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 6 मई को करेगा। याचिका में कहा गया था कि हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जाए, जिसमें सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देखिए इसे किस तरह से किया गया है। ओएमआर शीट को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। जो लोग पैनल में नहीं थे, उन्हें रिक्रूट किया गया। यह फ्रॉड है। वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्तियों को खारिज कर दिया गया है, जबकि सीबीआई को अब तक जांच में सिर्फ 8000 नियुक्तियों में खामियां मिली हैं। स्कूल सर्विस कमीशन ने भी कहा कि जो नियुक्तियां सही तरह से हो सकती थीं, उन्हें अलग किया जा सकता था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल को 2016 में की गई 25 हजार 753 नियुक्तियों को रद्द कर दिया था।? हाईकोर्ट ने इन शिक्षकों को 7-8 साल के दौरान मिली सैलरी 12त्न इंटरेस्ट के साथ लौटाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके लिए कोर्ट ने 6 हफ्ते का समय दिया है।

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सामने लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में रविवार को खालसा दिवस और सिखों का नव वर्ष कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के संबोधन के दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। भारत सरकार ने इस पर नाराजगी जताते हुए कनाडा के डिप्टी हाई कमिश्नर को विदेश मंत्रालय में तलब करके नाराजगी जाहिर की। विदेश मंत्रालय ने कहा- कनाडा के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में खालिस्तान समर्थक नारे लगाए गए। इस तरह के कार्यक्रम को बेरोक-टोक करने की अनुमति दिया जाना चिंताजनक है। कनाडा में एक बार फिर अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को राजनीतिक जगह दी गई है। यह गतिविधियां भारत-कनाडा संबंधों को प्रभावित करती हैं। साथ ही कनाडा में भारतीयों के साथ हिंसा के माहौल को बढ़ावा देती हैं। ट्रूडो ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वे कनाडा में रह रहे 8 लाख सिखों के अधिकारों और स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करेंगे। सिख कनाडा की सबसे बड़ी ताकतों में से एक हैं। हम अपने मतभेदों के बावजूद एकजुट हैं। जब हम इस विविधता को देखते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि सिख समुदाय के मूल्य ही कनाडा के मूल्य हैं।

मिजोरम में 9.83 करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त

असम राइफल्स ने संयुक्त कार्रवाई में दो लोगों को किया गिरफ्तार

चम्फाई/आइजोल (मिजोरम)। असम राइफल्स ने मिजोरम के चम्फाई जिले में ज़ोखावथर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में एक व्यक्ति को पकड़ा और 3.17 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वहीं, टीम ने हेरोइन समेत कुल 9.83 करोड़ रुपये की नशीली गोलियां जब्त की है। अधिकारियों के अनुसार, विशेष जानकारी के आधार पर चम्फाई जिले के पुलिस विभाग जोखावथर के साथ जोखावथर में असम राइफल्स की एक संयुक्त टीम द्वारा ऑपरेशन को अंजाम दिया गया था। ऑपरेशन के दौरान जनरल एरिया मेलबुक रोड में 453 ग्राम वजनी हेरोइन नंबर 4 (शुद्ध गुणवत्ता की हेरोइन) बरामद किया गया। अधिकारियों ने आगे कहा कि हेरोइन नंबर 4 की पूरी खेप जिसकी कीमत 3,17,10,000 रुपये और पकड़े गए व्यक्ति को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए पुलिस विभाग जोखावथर, चम्फाई जिले को सौंप दिया गया है।

6.66 करोड़ की मेथ टैबलेट के साथ एक गिरफ्तार असम राइफल्स ने स्पेशल नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन और सीआईडी (अपराध) के सहयोग से मिजोरम के आइजोल में एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया है। साथ ही 6.66 करोड़ मूल्य की 20000 मेथ गोलियां जब्त की हैं। प्रेस रिलीज के अनुसार, तस्करी की गतिविधियों

के खिलाफ अपने अभियान में एक और सफलता हासिल करते हुए असम राइफल्स ने विशेष नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन, सीआईडी (अपराध), आइजोल, मिजोरम के साथ मिलकर जनरल एरिया मुआल्पुइकावन, सेलम वेंग के-सेक्शन में 6.66 करोड़ रुपये मूल्य की 1.908 किलोग्राम वजन की 20000 मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त की हैं। टीम ने 27 अप्रैल को एक आरोपी को भी पकड़ा है। विशेष इनपुट पर एक्शन लेते करते हुए असम राइफल्स और स्पेशल नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन, सीआईडी (अपराध) ने क्षेत्र में अवैध नशीली दवाओं की गतिविधियों को लक्षित करते हुए ऑपरेशन शुरू किया था। नशीली दवाओं की चल रही तस्करी मिजोरम राज्य और भारत के लिए चिंता का एक प्रमुख कारण है। असम राइफल्स ने अवैध तस्करी के खिलाफ अपने प्रयास जारी रखे हैं और मिजोरम में प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के सरगनाओं को पकड़ने के अपने प्रयासों को दोगुना कर दिया है।

अमेठी लोकसभा से बीजेपी प्रत्याशी स्मृति ईरानी का नामांकन दाखिल कराने पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

सीएम मोहन यादव बोले- अमेठी से भाग गया राजपरिवार, प्रियंका भी भाग जाएंगी

अमेठी। अमेठी लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी और सांसद स्मृति ईरानी ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमेठी में एक नया इतिहास बना है। जिस तरह से जनसैलाब आया है और मैं इसका साक्षी बना हूं, हमारी बहन स्मृति ईरानी जबरदस्त प्रत्याशी हैं। अब देखना है कि कांग्रेस किसे जबरदस्ती प्रत्याशी बनाकर लाती है? पहले इस सीट पर एक राजपरिवार लड़ता था, जो अब यहां से भाग गया है। राहुल की जगह प्रियंका गांधी को अमेठी से उम्मीदवार बनाने की संभावनाओं पर डॉ. यादव ने कहा कि वह भी भाग जाएंगी। सीएम डॉ मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के गौरीगंज में अमेठी लोकसभा से बीजेपी की प्रत्याशी स्मृति ईरानी का नामांकन दाखिल कराया। इससे पहले सीएम और स्मृति ईरानी ने रोड शो किया। रोड शो के दौरान नुक्कड सभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा- कि मेरे पूर्वज भी आजमगढ़ से मप्र गए थे। मैं अपनी धरती पर आया हूं। सुल्तानपुर में मेरी ससुराल है। यहां से मेरा जीवंत रिश्ता है।

कोई कांग्रेसी लड़ना नहीं चाहता अमेठी से सीएम डॉ. यादव ने रोड शो के दौरान नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी ला-लाकर परेशान हैं। तू हां कर, तू हां कर, कोई हां करने को तैयार नहीं हैं। यहां अमेठी में कोई कांग्रेसी लड़ना ही नहीं चाहता। यहां बड़ी संख्या में यहां यदुवंशी भी रहते हैं। मैं सभी यदुवंशियों से कहना चाहता हूं कि आप सब बहुत भाग्यशाली हैं। 500 साल पहले भगवान कृष्ण ने धर्म के लिए पूरा जीवन कुर्बान किया था। पूरे जीवन में केवल धर्म की लड़ाई लड़ी। महाकाल लोक के पुजारी आशीष जी भी यहां मौजूद हैं। मेरे मन में भी कसक है आपके मन में भी कसक है जब राम जी का आनंद आ गया। हमारे बाबा महाकाल के महालोक का महाआनंद आ गया तो हमारे मथुरा वाले कृष्ण कन्हैया ने क्या बिगाडा। उनको भी मथुरा में आनंद आना चाहिए कि नहीं। भगवान कृष्ण भी हमारे आपके साथ मुस्कराएंगे।

पूरे देश में प्रचंड आंधी चल रही अमेठी में भाजपा प्रत्याशी स्मृति ईरानी के नामांकन में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि पूरा मध्यप्रदेश मोदी मय हुआ है। वर्तमान समय में पूरे देश में प्रचंड आंधी चल रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 29 सीटों पर कंप्रोमाइज किया था। 28 सीट कांग्रेस को दी, एक सीट समाजवादी ने ली। खजुराहो सीट पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ने नामांकन वापस लिया या जानबूझकर फॉर्म में त्रुटि की और सरेंडर किया। ताकि कलेक्टर के सिर पर आए और उन्होंने अपना फार्म विड्रोल किया। दूसरा घोषित रूप से इन्होंने कहा था कि प्रशासन ने गलती कर दी। यह कर दिया वो कर दिया। जबकि यह स्पष्ट कहा गया था कि जब कोई उम्मीदवार फॉर्म भर के हस्ताक्षर नहीं करता, एक जगह नहीं बल्कि दो-दो जगह साइन नहीं करता है तो इसका मतलब यह है कि वो चुनाव नहीं लड़ना चाहता। तब भी कांग्रेस और सारे लोगों ने कहा कि यह गलत किया।

चार करोड़ बढ़ी संपत्ति फिर भी कर्जदार स्मृति ईरानी चुनावी मैदान में भाजपा से उतरीं स्मृति जूबिन ईरानी करोड़पति हैं। उनके पति जूबिन इरानी भी धनवान हैं। उन्होंने नामांकन पत्र में अपनी व पति की कुल संपत्ति का खुलासा किया है। स्मृति जूबिन ईरानी के पास कुल संपत्ति आठ करोड़ 75 लाख 24 हजार 296 रुपये दिखाई है। उनके पति की कुल संपत्ति आठ करोड 81 लाख 77 हजार 790 रुपये है। स्मृति के पति उनसे मालदार हैं और उन पर कोई कर्ज भी नहीं है। पिछले पांच सालों में स्मृति व उनके पति की संपत्ति भी बढ़ी है। पांच सालों में उनकी संपत्ति चार करोड़ चार लाख 22 हजार 348 रुपये बढ़ी है। जबकि उनके पति की संपत्ति में चार करोड़ 14 लाख 19 हजार 976 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि स्मृति ईरानी कर्जदार भी हैं। उन्होंने नामांकन के दौरान दाखिल किए अपने हलफनामे में इसका खुलासा किया है। उनके ऊपर एचडीएफसी बैंक का 16 लाख 55 हजार 830 रुपये ऋण है। जबकि 2019 में दाखिल हलफनामे में उनके ऊपर कोई भी कर्ज नहीं था।

भोजशाला में सर्वे के लिए एएसआई को मिला आठ सप्ताह का समय

जुलाई तक काम कर सकेगी टीम

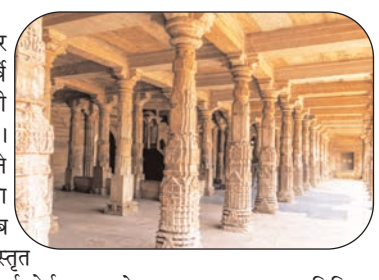

इंदौर। हाईकोर्ट ने सोमवार को धार भोजशाला में सर्वे की समय सीमा बढ़ाने की मांग को मान लिया है। एएसआई को हाईकोर्ट ने सर्वे के लिए आठ सप्ताह का समय और दिया है। अब एएसआई सर्वे के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सकेगा। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों के तर्क सुने और फिर एएसआई को सर्वे के लिए 5 जुलाई तक का समय दिया। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से सोमवार को हुई सुनवाई में सीनियर एडवोकेट विष्णुशंकर जैन (नई दिल्ली) और विनय जोशी ने हाईकोर्ट में तर्क रखे। एएसआई का कहना है कि वर्तमान ढांचे को सुरक्षित रखते हुए सर्वे करने में अधिक समय लग रहा है। इसलिए हमने अतिरिक्त समय मांगा है।

अब जीपीआर मशीन का होगा इस्तेमाल एएसआई के मुताबिक सर्वे में अब जीपीआर मशीन इस्तेमाल किया जाएगा। इस मशीन के लिए नेशनल ज्योग्राफिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एनजीआरआई) से संपर्क किया है। वहां से अनुमति मिलते ही मशीन से सर्वे शुरू हो जाएगा। यह अत्यंत धीमी प्रक्रिया है। इसलिए उसने आठ सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है।

यह है पूरा विवाद जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार भोजशाला राजा भोज ने बनवाई थी। यह यूनिवर्सिटी थी, जिसमें वाग्देवी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मुस्लिम शासक ने इसे मस्जिद में परिवर्तित कर दिया था। भोजशाला में मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना करने की अनुमति है। शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक प्रवेश दिया जाता है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 1 मई 2022 को इंदौर हाईकोर्ट में यह याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया था कि हर मंगलवार को हिंदू भोजशाला में यज्ञ कर उसे पवित्र करते हैं और शुक्रवार को मुसलमान नमाज के नाम पर यज्ञ कुंड को अपवित्र कर देते हैं। इसे रोका जाए।

अमेठी और रायबरेली पर अंतिम फैसला लेंगे खड़गे

नई दिल्ली। रायबरेली और अमेठी में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा की तरफ से स्मृति ईरानी ने सोमवार को अमेठी से नामांकन भी दाखिल कर दिया। दूसरी तरफ कांग्रेस का इस सीट पर चेहरा कौन होगा इसका फैसला पार्टी अभी तक नहीं ले सकी है। ऐसा माना जा रहा है कि राहुल गांधी ही यहां से प्रत्याशी होंगे। अमेठी के साथ रायबरेली सीट पर भी अटकलों का बाजार गर्म है। इधर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अमेठी और रायबरेली सीटों पर उम्मीदवारों का फैसला करने के लिए अधिकृत किया है। इन दोनों सीटों से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। उत्तरप्रदेश कांग्रेस पार्टी ने भी राहुल और प्रियंका को इन दोनों सीटों से चुनाव लड़ाने का अनुरोध किया है। एक सवाल के जवाब में श्रीनेत ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष पर प्रत्याशियों का नाम तय करने का फैसला छोड़ा गया है।

असली मौसम | **एमपी में बारिश का सिस्टम पड़ा कमजोर, आज से दिन-रात के तापमान में होगी बढ़ोतरी**

मप्र में गर्मी ने दिखाए तेवर, छह शहरों का पारा 42 डिग्री के पार हुआ

इंदौर/भोपाल। इंदौर सहित पूरे मध्यप्रदेश में बारिश का सिस्टम अब कमजोर पड़ गया है। इसके चलते गर्मी ने तेवर दिखाना शुरू कर दिए हैं। सोमवार को प्रदेश के 6 शहरों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच गया। रीवा प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेशभर में तापमान में एक डिग्री से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। वहीं, बालाघाट में 6.6 डिग्री तापमान बढ़ा। जबलपुर, रीवा, सतना, दमोह, खंडवा और खजुराहो में तापमान 42 डिग्री या इसके पार पहुंच गया। भोपाल में टेम्प्रेचर 40.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले महीने मई में 47 डिग्री तापमान पहुंचने की संभावना जताई है।

मई की शुरुआत तेज गर्मी से होगी

आईएमडी भोपाल के वैज्ञानिक प्रकाश धावले के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने से बने सिस्टम का असर कम हो जाएगा। 30 अप्रैल से दिन-रात के टेम्प्रेचर में बढ़ोतरी होगी। इससे मई की शुरुआत तेज गर्मी से होगी।

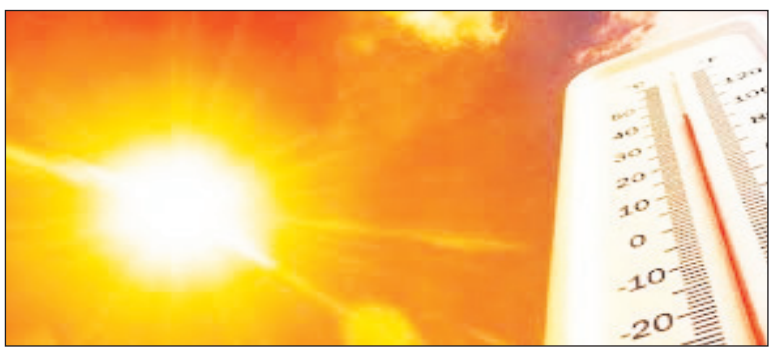

22 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा

सोमवार को भोपाल, ग्वालियर समेत 22 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल में 40.8 डिग्री, ग्वालियर में 41.1 डिग्री, जबलपुर में 42.2 डिग्री, खजुराहो में 42 डिग्री, खंडवा में 42.1 डिग्री, दमोह में 42.2 डिग्री, सतना में 42.3 डिग्री, रीवा में 42.4 डिग्री, मलाजखंड में 40 डिग्री, रतलाम में 40.2 डिग्री, सागर में 40.3 डिग्री, धार में 40.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 40.5 डिग्री, नौगांव में 40.7 डिग्री, गुना में 40.8 डिग्री, शिवपुरी में 41 डिग्री, मंडला में 41 डिग्री, उमरिया में 41.3 डिग्री, टीकमगढ़ में 41.5 डिग्री, सीधी में 41.6 डिग्री और नरसिंहपुर में पारा 41.7 डिग्री दर्ज किया गया।

मई में कुछ शहरों का पारा 45 से 47 डिग्री होगा

मौसम विभाग के अनुसार, मई महीने में कुछ शहरों में तापमान 45 से 47 डिग्री तक भी पहुंच सकता है। हीट वेव भी चलेगी। इस बीच यदि वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होता है और बारिश का सिस्टम बनता है, तो टेम्प्रेचर में थोड़ी कमी भी आ सकती है। सबसे ज्यादा गर्मी ग्वालियर-चंबल में रहेगी। वहीं, नौगांव, छतरपुर, शिवपुरी, निवाड़ी, खरगोन, बड़वानी, राजगढ़, शाजापुर, शिवपुरी, श्योपुरकलां, नरसिंहपुर समेत कई जिलों में भी गर्मी बढ़ेगी।

भोपाल ननि अपर आयुक्त समेत तीन अधिकारियों को हटाने के आदेश

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने राज्य शासन को तीन अधिकारियों के तत्काल स्थानांतरण आदेश जारी करने के आदेश दिए है। राजन ने भोपाल नगर निगम में लगातार वर्ष 2020 से पदस्थ अपर आयुक्त वित्त गुणवंत सेवतकर और भोपाल जिले में पदस्थ अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग विनोद कुमार श्रीवास्तव, भोपाल संसदीय क्षेत्र से इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी अरूण कुमार श्रीवास्तव के बड़े भाई हैं और हंस कुमार झिंझोर थाना प्रभारी यातायात जिला बुरहानपुर को 6 वर्ष से अधिक जिले में पदस्थापना के कारण स्थानांतरण तत्काल करने के निर्देश दिये गये हैं। बता दें पूर्व में मुरैना जिले में लगातार 6 वर्षों से पदस्थ रोहित सिंह (प्रभारी यातायात), थाना प्रभारी (जीआरपी थाना) ग्वालियर पंकज दीवान की पदस्थापना उनके गृह जिले ग्वालियर में ही होने के कारण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भौंरासा जिला देवास सविता सोनी की एक ही जिले में 3 वर्ष अधिक समय से पदस्थापना होने के कारण, बलराम सिंह तोमर एसआई क्राइम ब्रांच इंदौर को सात वर्ष से लगातार पदस्थापना, सोनाली गुप्ता उपनिरिक्षक पुष्पराजगढ़ को जिला अनुपपूर में पदस्थापना 6 वर्ष होने के कारण, शिवकुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को गृह जिला उमरिया होने के कारण, यू एन मिश्रा प्रभारी जिला अधिकारी दतिया, मनीष उदैनिया प्रभारी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग दतिया को शिकायत के आधार पर, देवेन्द्र तिवारी जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम रीवा, अपूर्वा सक्सेना सीईओ जनपद पंचायत बैतूल को पदस्थापना 3 वर्ष से अधिक होने के कारण, महेन्द्र वशिष्ठ मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीमच, निखिलेश चिंतामन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी खातेगांव जिला देवास, अनिल इनवाती उप यंत्री आरईएस उमरिया, रितेश चौहान सीईओ जनपद पंचायत परसवाड़ा जिला बालाघाट, सुशील पटेल थाना प्रभारी टिमरनी जिला हरदा और रामानुज मिश्रा प्रभारी सीएमओ नगर परिषद शाहगंज को शिकायतों एवं अन्य कारणों से स्थानांतरित किया जा चुका है।

सिंगल कॉलम

हिंदू राष्ट्र के मुद्दे पर बोले धीरेंद्र शास्त्री- अब कृष्ण भी माखन-मिश्री खाएंगे बस देखते जाओ

इंदौर। नाइट कल्चर निशाचरों के लिए है। इंदौर में निशाचर थोड़ी धार्मिक लोग रहते हैं। यह शहर शिव भक्त मां अहिल्या की नगरी है। नाइट कल्चर से हमारी संस्कृति और संस्कृति पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। हमारी अस्मिता पर दाग लगेगा।अपराध बढ़ेगा। इससे पुलिस और सरकार का काम बढ़ेगा। इस तरह के अशोभनीय कार्यों पर रोक लगना चाहिए। यह बात युवा संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पत्रकारों से चर्चा में सोमवार को कही।

इंदौर में आयोजित सिद्ध पीठ बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी की कथा स्थल पर पहुंचकर आशीर्वाद लिया और साथ ही स्मृति स्वरूप पुस्तक भेंट की।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी की नाम वापसी के सवाल पर कुछ भी कहने से इनकार किया। भारत हिंदू राष्ट्र कब तक बनेगा सवाल पर कहा कि अयोध्या में राम लला प्रतिष्ठा हो गए है, अब कृष्ण भी माखन-मिश्री खाएंगे बस देखते जाओ। सनातन धर्म हमेशा था और हमेशा रहेगा। इंदौर में चल रहीं शास्त्री की कथा गौरतलब है कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की इंदौर के कनकेश्वरी गरबा परिसर एमआर-9 लिंक रोड पर कथा चल रही है। कथा के दूसरे दिन शास्त्री ने लोगों को बच्चों की संगत पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी को ध्यान रखना है कि परिवार और मित्र की संगत किसके साथ है। पीने वालों के साथ संगत होगी होगी तो पीने की पार्टी में जाएगा और भागवत भक्तों की संगत होगी तो मंदिर जाएंगे। अपने बच्चों की संगत पर ध्यान रखो कि पार्टी वालों की संगत कर रहे है या हनुमान जी की पार्टी वालों की संगत कर रहे हैं।

MA की छात्रा ने की आत्महत्या, स्टेटस पर लिखा- मेरी मैयत में वक्त पर आना

इंदौर। पालदा में 22 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। छात्रा का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाया है। वहीं स्वजनों का कहना है कि युवक परेशान कर रहा था। दो दिन पूर्व फोटो भी डिलीट करवाए थे।पुलिस के मुताबिक प्रमिला पुत्री जगदीश मूलतः उदयनगर (देवास) की रहने वाली है। वह दुर्गा नगर पालदा में किराए से रूम लेकर रहती थी और जीडीसी से एमए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। सोमवार रात प्रमिला ने रूम में फांसी लगा ली। मंगलवार को शव का एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया। प्रमिला का भाई भी कैटरिंग का काम करने इंदौर आया था। उसने पुलिस को बताया कि दो दिन पूर्व अंजीत नामक युवक को रूम पर देखा था। शक हुआ तो उसे पकड़ लिया। अंजीत ने कहा कि वह प्रमिला का दोस्त है और फोटो डिलीट करवाने आया था। उस समय प्रमिला ने उसे छुड़वा दिया था। वहीं सोमवार को रूम पार्टनर सपना काम से गई तब प्रमिला ने फांसी लगा ली। उसने वाट्सएप स्टेट्स पर लिखा 'मेरी मैयत पर आना तो वक्त पर आना। दफनाने वाले मेरी तरह इंतजार नहीं करेंगे मेरी जान। सॉरी माफ कर देना।'

कांग्रेस नेता मोती सिंह पहुंचे हाईकोर्ट, कहा- मुझे पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया जाए

इंदौर कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय बम द्वारा नामांकन पत्र वापस लेने के बाद कांग्रेस नेता मोती सिंह ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने की मांग की है। याचिका पर सोमवार दोपहर बार सुनवाई होने की उम्मीद है। मोती सिंह की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट विभोर खंडेलवाल ने बताया कि कांग्रेस द्वारा जारी बी फार्म में दो प्रत्याशियों के नाम थे। इसमें अक्षय बम का नाम अनुमोदित प्रत्याशी और मोती सिंह का नाम वैकल्पिक प्रत्याशी के रूप में दर्ज था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मोती सिंह का नाम इस आधार पर निरस्त किया है कि उनके फार्म पर प्रस्तावक के रूप में 10 लोगों के बजाय सिर्फ एक व्यक्ति का नाम था।

दोपहर बाद सुनवाई संभव

खंडेलवाल ने बताया कि चूंकि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी ने नामांकन वापस ले लिया गया है इसलिए फार्म बी के आधार पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में मोती सिंह के नाम की घोषणा की जाना चाहिए क्योंकि पार्टी की तरफ से नामांकन फार्म जमा करने में प्रस्तावक के रूप में सिर्फ एक व्यक्ति के हस्ताक्षर पर्याप्त हैं। एडवोकेट खंडेलवाल ने बताया कि हमने याचिका के साथ शीघ्र सुनवाई की मांग भी की है। संभवतः सोमवार दोपहर बाद याचिका पर सुनवाई होगी।

तोलानी ने मांगा समर्थन

इधर, कांग्रेस के पास कोई विकल्प मौजूद न होने पर निर्दलीय प्रत्याशी परमानंद तोलानी ने कांग्रेस से समर्थन मांगा है। तोलानी लगातार 19 बार कई चुनाव लड़ चुके हैं।

फर्जी बिल घोटाला, अब तक चार आरोपित गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

नगर निगम में हुए 100 करोड़ रुपये के फर्जी बिल घोटाले में रविवार रात पुलिस ने दो ठेकेदारों को हिरासत में लिया था। इनकी निशानदेही पर सोमवार को पुलिस ने जोन - 8 के सब इंजीनियर और डाटा एंट्री ऑपरेटर को गिरफ्तार किया गया। इस षड्यंत्र में शामिल एक कार्यपालन यंत्री फरार है। एमजी रोड थाने में 16 अप्रैल को नगर निगम ने 20 कूटरचित फाइलें तैयार कर बिना कार्य किए करोड़ों रुपये के भुगतान को लेकर नगर निगम के पांच ठेकेदारों मोहम्मद साजिद, मोहम्मद सिद्दिक, मोहम्मद जाकिर, राहुल बढेरा और रेणू बढेरा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया था। डीएसपी पंकज पांडेय ने बताया कि नगर निगम द्वारा दर्ज कराए गए प्रकरण में निगम के ड्रेनेज विभाग से संबंधित काम में फर्जी बिल लगाकर करोड़ों रुपये का भुगतान कर किया गया था। जांच के बाद ठेकेदारों के घर सर्चिंग की गई। रविवार साजिद अंसारी और जाकिर अंसारी को गिरफ्तार किया गया। दोनों ने बताया कि नगर निगम के कर्मचारी व सब इंजीनियर के साथ मिलकर फर्जी फाइल तैयार की और अवैध भुगतान अपने खाते में प्राप्त किया है। इसके बाद निगम के कंप्यूटर ऑपरेटर चेतन सिंह भदौरिया और सब इंजीनियर उदय भदौरिया से पूछताछ की। सोमवार को उन्हें गिरफ्तार किया गया। ड्रेनेज विभाग के कार्यपालन यंत्री अभय राठौर की तलाश की गई है। वे फरार हैं। तीन - चार आईडी का उपयोग जानकारी के अनुसार ड्रेनेज विभाग में जो भी काम होते थे, उन फाइलों की डिजिटल एंट्री कंप्यूटर ऑपरेटर चेतन भदौरिया विभाग के कार्यपालन यंत्री अभय राठौर और उदय के कहने पर करता था। यह एंट्री तीन - चार आईडी से की जाती थी, जिनकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जो फाइलें लगाई गई हैं, वे काम 2017 और 2018 के हैं, जिनका भुगतान 2022 में किया गया। अब तक 20 और 16 फाइल मिलाकर करीब 48 करोड़ रुपये के बिल लगाए गए थे। इनमें से अब तक 24 करोड़ रुपये के बिल के भुगतान हो चुका है। डीएसपी पांडेय ने बताया कि जांच के बाद तीन अन्य प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं। तीन अन्य ठेकेदारों की तलाश की जा रही है। पांचों ठेकेदारों को नगर निगम द्वारा भुगतान किए गए खातों की जानकारी लेकर करीब 70 लाख रुपये की राशि फ्रीज कराई गई है। फाइलों में लिखावट और हस्ताक्षर मिलान के लिए भोपाल भेजा गया है। इसमें ड्रेनेज शाखा व जोन में काम करने वाले आठ अधिकारियों व कर्मचारियों के नमूना लेख व हस्ताक्षर भेजे गए हैं।

नगर निगम घोटाले के मामले में दंपती गिरफ्तार, आरोपितों की फर्म में जाता था फर्जी बिल का पैसा

इंदौर नगर निगम में हुए करोड़ों रुपये के घोटाले के मामले में एमजी रोड़ पुलिस ने सोमवार को दंपती को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित ठेकेदार राहुल बडेरा और रेणु बडेरा निवासी आशीष नगर को विजय नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। यह लंबे समय से बाहर फरार थे।

जानकारी अनुसार आरोपित इस दौरान यह वृंदावन में फरारी काट रहे थे। मामले में पुलिस इनसे घोटाले से संबंधित पूछताछ कर रही है। बता दें कि इनकी फर्म में भी फर्जी बिल का पैसा जमा होता था। एक कंपनी राहुल से नाम से जाह्नवी इंटरप्राइजेस और क्षितिज इंटरप्राइजेस रेणु से नाम से बनी हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपित राहुल का पार्षदों और अफसरों से भी अच्छा मेलजोल था। इसका फायदा उठाकर यह काम करता था।

निवेश के नाम पर धोखाधड़ी

इधर, क्रिप्टो करंसी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले आरोपित को क्राइम ब्रांच ने सोमवार को गिरफ्तार किया। आरोपित सुनील उर्फ आशीष पाल खुद को क्रिप्टो स्ट्रीट का सीईओ बताता था। आरोपित कंपनी में निवेश के नाम पर लोगों को राशि दोगुना करने का झांसा देकर रूपये जमा करवाता था। इसका एक साथी पूर्व में पकड़ा जा चुका है।

क्राइम ब्रांच को पश्चिम बंगाल की फरियादिया लक्ष्मी शर्मा ने शिकायत में बताया था कि इंदौर के डा. प्रधान ने क्रिप्टो करंसी में निवेश पर प्रतिदिन एक प्रतिशत और 10 माह में चार गुना से अधिक मुनाफा देने का झांसा दिया। इसके बाद आठ लाख से ज्यादा रुपये अपनी फर्म आरएफ तीन वर्ल्ड के खातों में जमाकर न मुनाफा दिया और न राशि वापस की।

आरोपित की है फर्जी कंपनी

क्राइम ब्रांच की पूछताछ एवं जांच में पता चला कि आरोपित की क्रिप्टो स्ट्रीट कंपनी सेबी से रजिस्टर्ड न होकर फर्जी कंपनी है, जिसे इंदौर से संचालित कर देश के विभिन्न राज्यों के लोगों को इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर क्रिप्टो करेंसी की रजिस्टर्ड कंपनी होना बताकर तीन गुना मुनाफा देने जैसे झूठ बोलकर ठगी करते थे। निवेश से रुपये लेकर उन्हें क्रिप्टो करंसी में मुनाफा भेजते थे, जिन्हें निवेशकों द्वारा रीडिम करवाने पर, पैसे उनके एकाउंट में नहीं आते थे। आरोपित ने इस प्रकार मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के 18-20 लोगों को प्रतिदिन झांसे में लेते थे।

इंदौर संभाग की टीम ने बनाया अनोखा रिकार्ड, 241 ओवर में बनाए 1155 रन

इंदौर। क्रिकेट में रनों की भूख क्या होती है यह इंदौर के बल्लेबाजों को देखकर समझा जा सकता है, जो पिछले तीन दिनों से लगातार बल्लेबाजी कर रहे हैं। अब तक 1155 रनों का स्कोर बन चुका है और पारी अभी भी जारी है। यह मैच भी कोई ऐसा-वैसा नहीं है, बल्कि मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) द्वारा सीनियर खिलाड़ियों के लिए आयोजित एमवाय मेमोरियल ट्राफी का फाइनल है।सामने सागर की टीम है जो इतनी असहाय है कि विकेटकीपर सहित सभी 11 खिलाड़ी गेंदबाजी कर रहे हैं, मगर सफलता नहीं मिल रही। प्रदेश में घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का कोई आधिकारिक रिकार्ड नहीं है, लेकिन लंबे समय से इतना बड़ा स्कोर नहीं देखा गया। फिलहाल इंदौर की बढ़त 1046 रनों की हो चुकी है। शहर के होलकर स्टेडियम पर मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंदौर ने 241 ओवर के खेल में पांच विकेट खोकर 1155 रन बना लिए हैं। टीम के लिए करण तेहलानी 355 रनों की अविजित पारी खेलते हुए क्रीज पर डटे हैं। अब तक 480 गेंदों का सामना करते हुए 25 चौके और एक छक्का लगा चुके हैं। वे करीब साढ़े 10 घंटे से खेल रहे हैं। दूसरे छोर पर अनिल मौर्य नाबाद 118 रन बना चुके हैं। अनिल भी 12 चौके और दो छक्के लगा चुके हैं।

कर्ज से परेशान बीएसएफ आरक्षक ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच जारी

सिटी चीफ इंदौर।

बाणगंगा थाना क्षेत्र में बीएसएफ के आरक्षक ने शासकीय क्वार्टर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक धीरज मालाकार (25) मूल रूप से ग्राम खंडवा जिले के गणेश तलाई का रहने वाला है और वर्तमान में इंदौर स्थित रेवती रेंज में रह रहा था। वह शूटिंग रेंज में शामिल होता था। वहीं रविवार रात में क्वार्टर गार्ड के समीप हथियार पोस्ट में पहुंचकर खुद की राइफल से सिर पर गोली मारकर आत्महत्या की ली।

2021 में हुआ था भर्ती

स्वजन ने बताया कि कर्ज अधिक होने के कारण वह कुछ दिनों से परेशान था। मृतक वर्ष 2021 में बीएसएफ में आरक्षक पद पर भर्ती होकर वर्तमान में शूटिंग टीम का हिस्सा था।

अक्षय कांति बम के मैदान छोड़ने के बाद कांग्रेस के पास बचा यह विकल्प, पार्टी नेताओं में मंथन जारी

इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम द्वारा नामांकन वापस लेने के बाद इंदौर में चुनावी मैदान कांग्रेस विहीन हो गया है। अक्षय कांति के बाद कांग्रेस के पास मोती सिंह पटेल भी विकल्प थे, लेकिन उनका भी नामांकन रद्द होने से कांग्रेस को दोहरा झटका लगा है। वहीं कांग्रेस के पास विकल?प खत?म होने के बाद माना जा रहा है कि पार्टी अब मैदान में बचे किसी निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन देकर जैसे-तैसे अपनी लाज बचाने की कोशिश करेगी। आज इस संबंध में प्रत्याशियों से चर्चा हो सकती है। वहीं सोमवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार शाम तक राजनीति तय करने की बात कही थी।

गांधी भवन में हुई बैठक

कांग्रेस के दामन से प्रत्याशी खिसकने के बाद कांग्रेस नेताओं के लिए स्थिति असहज हो गई। जिसके बाद सोमवार शाम प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी स्थानीय कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पहुंचे। बंद कमरे में पटवारी, सज्जन वर्मा, शोभा ओझा, शहर अध्यक्ष सुरजीतसिंह चड्ढा और पूर्व विधायक अश्विन जोशी ने करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा की। बाहर निकलकर पटवारी ने भाजपा पर लोकतंत्र खत्म करने का आरोप लगाया।

इंदौर के नागरिकों का किया अपमान

जीतू पटवारी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अब समझ सकते हैं कि कांग्रेस क्यों कहती रही है कि लोकतंत्र खतरे में है। भाजपा के नेताओं ने इंदौर के नागरिकों का अपमान किया है। उनसे मतदान का हक भी छीन रही है। अब यह लोगों को भी सोचना होगा कि भाजपा को जो अटूट समर्थन वोटों को रूप में बीते चुनावों में दिया, उससे भाजपा नेता अहंकारी होकर ताकत का दुरुपयोग कर रहे हैं। नगर निगम में सैकड़ों करोड़ का भ्रष्टाचार भी इसी का नतीजा है।

तापमान बढ़ते ही जल उठे मध्य प्रदेश के जंगल, डेढ़ महीने में 550 बार सुलगे

सिटी चीफ इंदौर।

गर्मी का मौसम शुरू होते ही जंगल भी सुलगने लगे हैं। मध्य प्रदेश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं एक के बाद एक हो रही है। पिछले 45 दिनों के भीतर 550 से ज्यादा बार जंगल में आग लग चुकी है। अकेले इंदौर वनमंडल में आग लगने की 200 घटनाएं सामने आ चुकी है, जिसमें इंदौर, चोरल, महू और मानपुर वनक्षेत्र शामिल है। इन चारों रेंज के कुछ वनक्षेत्र ऐसे भी हैं जहां 15 मार्च से 29 अप्रैल के बीच दो से तीन बार आग लगी है। इसी तरह रायसेन, छिंदवाड़ा, खंडवा, सागर, उज्जैन, सिवनी, रीवा, कान्हा टाइगर रिजर्व, ग्वालियर सहित अन्य वृत्त में भी बीते साल की तुलना में इस बार जंगल जलने की घटनाएं अधिक हो रही है।

सैटेलाइट से रखते है नजर, फिर भी नहीं रोक पाते घटनाएं

जंगल में आग की घटना पर सेटेलाइट से नजर रखी जाती है। यह काम फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआइ) करता है। इस फायर सिस्टम से मध्यप्रदेश का वन विभाग भी जुड़ा हुआ है। आग लगते ही तत्काल सीसीएफ, सीएफ, एसडीओ और रेंजर को जानकारी भेजते है।

आग पर काबू पाने के बाद स्टाफ फीडबैक देता है कि आग कितनी देर में बुझाई, जंगल का कितना नुकसान हुआ आदि। वेबसाइट पर दर्ज आकड़ों के हिसाब से 15 मार्च से 29 अप्रैल के बीच 550 से ज्यादा बार जंगल जला है। इंदौर वनमंडल के इंदौर और चोरल रेंज में सबसे ज्यादा आग लगी है। विभाग के मुताबिक आग की वजह से 50 से 60 हैक्टेयर जंगल को नुकसान हुआ है।

अफसरों के तर्क...मन्नत पूरी होने पर लगाते हैं जंगल में आग

इंदौर रेंज में आग लगने की घटना के पीछे अधिकारियों का तर्क है कि यहां अधिकांश जंगल शहरी सीमा से लगा है। यहां खेतों में पराली जलाने के दौरान आग जंगल तक फैल जाती है। वनकर्मी बताते है कि ग्रामीण अंधविश्वास के चलते मन्नत पूरी होने पर जंगल में आग लगते है। खासकर बेटा होने पर वनग्रामों के आसपास के जंगल में ग्रामीण इस तरह की घटना को अंजाम देते हैं। कुछ मामलों में यह भी सामने आया है कि अवैध कटाई को छिपाने के लिए भी आग लगाई जाती है।

आपरेशन लोटस, गुटबाजी के लिए कुख्यात इंदौर भाजपा में दिखा जबरदस्त टीम वर्क

सिटी चीफ इंदौर।

जिस दिन कांग्रेस ने अक्षय कांति बम को इंदौर लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया था, उसी दिन उन्हें भाजपा में शामिल करने की रणनीति पर काम शुरू हो गया था। अभियान को 'आपरेशन लोटस' नाम दिया गया। फिल्म के मुख्य किरदार बने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला। गुटबाजी के लिए कुख्यात इंदौर भाजपा में 'आपरेशन लोटस' में जबर्दस्त टीम वर्क दिखा। बड़े किरदारों ने इसे पार्टी की प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था। दरअसल, योजना सूरत की तर्ज पर इंदौर में भी निर्विरोध निर्वाचन की थी। कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय को इसके लिए दिल्ली और भोपाल से हरी झंडी भी मिल गई थी, लेकिन अंतिम समय में कुछ निर्दलीय प्रत्याशियों के नामांकन वापस नहीं लेने से ऐसा नहीं हो सका। सप्ताहभर पहले होटल में हुई थी बैठक तय रणनीति के मुताबिक, विजयवर्गीय ने करीब एक सप्ताह पहले बम से एक होटल में मुलाकात की थी। बम बैठक में अकेले ही पहुंचे थे। बैठक में नाम वापसी को लेकर चर्चा हुई। विजयवर्गीय ने बम को समझाया कि कांग्रेस में उनका कोई भविष्य नहीं है। इस मुलाकात में ही तय हो गया था कि नाम वापसी के अंतिम दिन यानी 29 अप्रैल को बम नामांकन वापस ले लेंगे। बैठक में बम ने आशंका जताई थी कि नाम वापसी की स्थिति में उन पर हमला हो सकता है। इसके बाद विजयवर्गीय ने विधायक रमेश मेंदोला को जिम्मेदारी सौंपी। मेंदोला ने वार्ड 24 से पार्षद जितेंद्र यादव जीतू को 29 अप्रैल को बम के आसपास बने रहने के निर्देश दिए। इस मुलाकात के बाद विजयवर्गीय ने उनके पिता कांतिलाल से भी मुलाकात की थी। इसके बाद बम की भाजपा में शामिल होने की राह साफ हो गई।

पहले निर्दलीयों को साधने का था प्रयास

बम से बात करने से पहले पार्टी का प्रयास निर्दलीय प्रत्याशियों को साधने का था, लेकिन ऐसा करने पर आशंका थी कि कांग्रेस इससे सतर्क हो जाएगी और बम को भाजपा में शामिल करने की योजना पर पानी फिर सकता है। इसके बाद तय हुआ कि बम के नामांकन फार्म वापस लेने के बाद ही निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की जाएगी। निर्दलीय प्रत्याशियों से चर्चा की जिम्मेदारी सोमवार सुबह ही तीन नेताओं को सौंपी गई। सुबह 11 बजे से इन नेताओं ने निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क करना शुरू किया।

सामान्य दिनों की तरह चुनाव प्रचार करते रहे बम

रणनीति के तहत यह भी तय हुआ था कि बम सामान्य दिनों की तरह प्रचार में लगे रहेंगे। वह कार्यकर्ताओं से मुलाकात भी करेंगे और प्रचार पर भी निकलेंगे ताकि किसी को इस बात का अहसास न हो कि वह भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं। सोमवार सुबह बम तिरंगा दुपट्टा पहने चोथइराम मंडी जनसंपर्क करने पहुंचे। यहां के फोटो उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर अपलोड किए। इसके बाद वह अकेले पलासिया में मंत्री विजयवर्गीय के तीन नंबर बंगले पर पहुंचे। विजयवर्गीय यहां पहले से उनका इंतजार कर रहे थे। यहां नाश्ते के बाद विधायक मेंदोला के साथ बम को कलेक्टर कार्यालय भेजा गया। इसके लिए एमआइसी सदस्य जीतू यादव का वाहन इस्तेमाल में लाया गया। नाम वापसी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता कोई विवाद न करें, इसके लिए एक टीम कलेक्टर कार्यालय के बाहर भी तैनात की गई थी, जबकि दूसरी टीम आसपास के क्षेत्रों में थी। नाम वापसी के बाद मेंदोला उन्हें वाहन में लेकर जूनी इंदौर पहुंचे। इसके बाद बम विजयवर्गीय की गाड़ी में सवार हुए और भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां उनके साथ करीब दो घंटे तक भाजपा नेता चर्चा करते रहे। पहले तय हुआ था कि बम को भोपाल ले जाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई जाए, फिर इंदौर में ही आयोजन करने पर सहमति बनी।

जहांगीराबाद इलाके में श्वान ने फिर किया मासूम पर हमला, एक हफ्ते में दूसरी घटना

सिटी चीफ भोपाल। शहर की गलियों में आवारा श्वानों का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा है। बल्कि गर्मी के सीजन में श्वानों द्वारा लोगों और खासकर बच्चों पर हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक घटना सोमवार शाम को जहांगीराबाद क्षेत्र में सामने आई, जहां एक मासूम पर आवारा श्वान ने हमला करते हुए उसे काट खाया। श्वान के हमले से मासूम बालक के दोनों हाथ जख्मी हो गए। घटना के बाद बालक के स्वजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार किया गया। जहांगीराबाद इलाके में एक हफ्ते के भीतर बच्चे पर श्वान के हमले की यह दूसरी घटना है। जानकारी के अनुसार

अफजल कालोनी में रहने वाले एक 12 वर्षीय लड़के पर अवारा श्वानों ने हमला किया। घटना के वक्त बालक घर के नजदीक गली में खेल रहा था, तभी अचानक श्वान ने उस पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह बच्चे को श्वान के चंगुल से छुड़ाया। स्वजन बालक को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे और उसका इलाज कराया। बता दें कि लड़के के दोनों हाथों पर श्वान ने हमला किया। जिससे उसके दोनों हाथों में श्वान के दांतो के निशान आ गए हैं। साथ ही उससे काफी खून निकल रहा था। श्वानों के हमले की बढ़ती घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। खासकर बच्चों को आवारा श्वान अपना शिकार बना रहे है।

लगातार हो रही घटनाएं

यहां पर यह बता दें कि विगत बुधवार को भी जहांगीराबाद इलाके में एक आवारा श्वान दो बच्चों पर हमले की घटना सामने आई थी। गनीमत रही कि आसपास के लोगों ने तुरंत ही बच्चों को श्वान के चंगुल से छुड़ा लिया था, जिससे उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई थी। उस आवारा श्वान ने बच्चों पर हमला करने के अलावा एक युवक को भी काटने की कोशिश की थी।

खेत में गाड़ रखे थे कच्ची शराब से भरे कुप्पे, आबकारी टीम ने दी दबिश

सिटी चीफ भोपाल। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच आबकारी विभाग की टीमों द्वारा अवैध शराब के ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। इसी सिलसिले में कोलार रोड स्थित कजलीखेड़ा में सोमवार को आबकारी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। यहां खेत में गाड़कर अवैध कच्ची शराब रखी गई थी। साथ ही भट्टी में शराब बनाई जा रही थी। इसकी सूचना मुखबिर से मिलने के बाद आबकारी अमला मौके पर पहुंचा था। जहां से 3200 किलो ग्राम महुआ लाहन के साथ 315 लीटर कच्ची शराब जब्त की। आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया ने बताया कि कार्रवाई के लिए सात टीमें बनाई गई थीं। सबसे पहले कजलीखेड़ा को चारों ओर से घेर

लिया। फिर शराब तलाशी के लिए टीम मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर गई। यहां पर मैदान और खेतों में छुपा कर रखे गए कुप्पों में करीब 3200 किलो ग्राम महुआ लाहन और 315 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब मिली। जमीन में गड़े कुप्पों को ढूंढने में दो से तीन घंटे लग गए। वहीं कुछ जगहों पर भट्टी जल रही थी और शराब बनाई जा रही थी। जब्त शराब की कीमत 3 लाख 67 हजार रुपए है। दो महिलाओं को पकड़ा गया है। उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं।

कोच्चुवेली-नई दिल्ली के मध्य चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल सहित इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

सिटी चीफ भोपाल। गर्मियों के दिनों में अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने के लिए ट्रेन 06071, 06072 कों'चुवेली-नई दिल्ली-कों'चुवेली के मध्य स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। यह गाड़ी भोपाल मंडल के भोपाल, इटारसी, बीना स्टेशन पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणि'य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेन 06071 कों'चुवेली-नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन ×1 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को कों'चुवेली स्टेशन से दोपहर 2⁼15 बजे प्रस्थान कर, तीसरे दिन रविवार को सुबह 04⁼55 बजे इटारसी, 06⁼45 बजे भोपाल, 08.45 बजे बीना और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए

रात सात बजे नई दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन 06072 नई दिल्ली-कों'चुवेली एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 0× जून तक प्रत्येक सोमवार को नई दिल्ली स्टेशन से सुबह 5⁼10 बजे प्रस्थान कर, दोपहर 1⁼×5 बजे बीना, ×⁼25 बजे भोपाल, 5⁼10 बजे इटारसी और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन बुधवार को सुबह 07⁼10 बजे कों'चुवेली स्टेशन पहुंचेगी।

मध्य प्रदेश के बीएड कालेजों में इस बार भी मेरिट के आधार पर होंगे प्रवेश

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश के बीएड सहित राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के आठ पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक मई से पंजीयन प्रक्रिया शुरू होगी। इस बार तीन चरणों में काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी । इस बार भी मेरिट के आधार पर प्रवेश होंगे। पहले चरण के पंजीयन के लिए नौ मई तक आवेदन होंगे। निर्धारित हेल्प सेंटर द्वारा दस्तावेजों का आनलाइन सत्यापन दो मई से 11 मई के बीच होंगे। मेरिट सूची का प्रकाशन 15 मई को होगा। प्रथम चरण में मेरिट एवं वरीयता के अनुसार सीट का आवंटन 21 मई को होगा, लेकिन अब तक उच्च शिक्षा विभाग ने कालेजों में उपलब्ध सीटों की संख्या को पोर्टल पर अपडेट नहीं किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चार वर्षीय बीएड डिग्री को पिछले साल से विद्यार्थियों के बीच अधिक पसंद किया जा रहा है। बता दें, कि प्रदेश के 625 से अधिक बीएड कालेजों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 21 मई से होंगे

द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 21 से 28 मई तक होगा।निर्धारित हेल्प सेंटर द्वारा दस्तावेजों का आनलाइन सत्यापन 22 से 30 मई तक होंगे। मेरिट सूची का प्रकाशन तीन जून तक होंगे। वहीं मेरिट एवं वरीयता अनुसार द्वितीय चरण में सीट आवंटन नौ जून को होगा।प्रवेश के लिए निर्धारित शुल्क का आनलाइन भुगतान नौ जून से 13 जून तक होंगे। तीसरे चरण के लिए पंजीयन सात जून से शुरू होंगे। 30 जून तक शुल्क जमा कर प्रवेश होंगे।

आठ पेज का सुसाइड नोट लिखकर कारोबारी ने दी जान , पुलिस ने मामला दबाया

सिटी चीफ भोपाल। गौतम नगर इलाके में चार दिन पहले फांसी लगाकर जाने देने के मामले में कारोबारी 55 वर्षीय रविंद्र कुशवाह के मामले में नया मोड़ सामने आया है। रविंद्र कुशवाह ने आठ पेज का सुसाइड नोट लिखकर जान दी थी,लेकिन पुलिस ने सुसाइड नोट को स्वजनों को पढ़ने नहीं दिया था और किसी से उसका जिक्र करने से मनाकर मामले को दबा दिया था। अब मृतक के स्वजनों ने सामने आकर पुलिस पर पूरे मामले को लेकर रफा- दफा करने और सुसाइट में बीस लाख से ज्यादा की उधारी की बात कही है।साथ ही सुसाइड नोट में रतलाम के कारोबारी समेत तीन लोगों से ज्यादा के नाम लिखने की बात कही है। हम बता दें कि विवेकानंद कालोनी करोंद निवासी 55 वर्षीय रविंद्र कुशवाह

फोटो स्टेट कारोबारी थी, उनका शासकीय काम भी किया जाता था। उनके छोटे भाई देवेंद्र कुश्वाह ने नवदुनिया को बताया कि उनके भाई का एक आफिस एमपीनगर में भी है। कोरोना के समय वह रतलाम के एक वेंडर्स के साथ मिलकर काम करते थे, उस समय उसने उनका भुगतान समय पर नहीं किया और इस दौरान काम के लिए मार्केट से रुपये लिए थे।जिस दिन उन्होंने फांसी लगाई तो उनको उनकी दराज से एक सुसाइट नोट मिला है। जो तीन पेज का था, उसमें तीन से ज्यादा नाम थे,लेकिन पुलिस ने उनसे वह ले लिया और उसका फोटो भी नहीं लेने दिया। अब पूरे मामले को दबाने में लगी है।इधर, गौतम नगर टीआइ एनके ठाकुर को जब बात करने की कोशिश की तो उन्होने फोन नहीं उठाया।

भोपाल के राजाभोज एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, प्रबंधन को मिला ईमेल

भोपाल। राजधानी के राजाभोज एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे प्रबंधन को मिला। यह संदेश मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन हरकत में आया और सुरक्षा बल को अलर्ट कर दिया। बाद में इस ईमेल की सूचना स्थानीय गांधीनगर थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने तत्काल आला अधिकारियों को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया और बम व डाग स्क्वाड भेजकर छानबीन की। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धमकी और वायुयान सुरक्षा अधिनियम की धाराओं में एआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि जो ईमेल एयरपोर्ट प्रबंधन को मिला है। उसमें भोपाल समेत कई एयरपोर्ट पर बम लगाने की बात कही गई थी। यह ईमेल करीब 70 से ज्यादा लोगों को भेजा गया था। पुलिस के साथ साइबर क्राइम पुलिस भी ईमेल को ट्रेस करने में लगी है।

नौकरी छूटने के बाद बन गया चोर

वाहन चुराने से लेकर मोबाइल भी लूटे

सिटी चीफ भोपाल। अयोध्या नगर पुलिस ने दो बदमाशों बी सेक्टर 100 क्वार्टर थाना पिपलानी निवासी 20 वर्षीय सुमित जाटव और रामलीला मैदान पिपलानी निवासी 26 वर्षीय निखिल शर्मा को गिरफ्तार किया है। इसमें निखिल बीकाम पास है और एक कंपनी में नौकरी में कर रहा था। बाद में नौकरी जाने के बाद वह अपने पेंटर साथी के साथ मिलकर चोर बन गया और उसने वाहन चोरी, सूने मकान में सेंधमारी और मोबाइल लूटने की घटनाएं कीं। आरोपित पुताई का काम तलाश करने के बहाने कालोनियों में घुसकर चोरी की रैकी करते थे। दोनों आरोपितों के पास से इंदौर से चोरी किए दो पहिया वाहन ,मोबाइल और सूने मकान से चोरी के आभूषण समेत समेत करीब साढ़े चार लाख रुपये का माल बरामद किया है। अयोध्यानगर थानाप्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि मुखबिर से अयोध्या नगर एक्सटेंशन के क्वीन मेरी स्कूल के सामने दो युवकों की संदिग्ध हालत में खड़े होने की सूचना मिली थी।

निखिल शर्मा

इस पर थाने से एक टीम को मौके पर रवाना किया तो पुलिस वाहन को देखकर आरोपितों ने भागने की कोशिश की, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ा गया। उनके पास से एक स्कूटर और एक बाइक मिली। उनको पकड़कर थाने लाया गया। दोनों के पास से दोपहिया वाहन बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपितों ने इंदौर के करोलबाग कालोनी बाणगंगा क्षेत्र से वाहन को चोरी करना कबूल किया। वह उनको बेचने की कोशिश में खड़े थे। बाद में पूछताछ में आरोपितों ने कबूल किया कि वह मोबाइल चोरी के साथ राह चलते लोगों के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग जाते थे। वाहनों की तलाशी में स्कूटर की डिग्गी में 11 स्मार्टफोन मोबाइल बरामद हुए। आरोपितों ने नौ मार्च 2024 को एक अयोध्या नगर के सूने मकान में चोरी करना भी स्वीकार किया है।आरोपितों से करीब 14 घटनाओं का राजफाश हुआ और उनसे साढ़े चार लाख चोरी का माल बरामद हुआ है।

आदतन अपराधी

गिरफ्तार आरोपितों में सुमित पर चोरी ,मारपीट, धमकी देने के करीब नौ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी तरह से निखिल शर्मा पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।

साथियों के साथ नहाने गया युवक डूबा, मौत

भोपाल। कोलार इलाके में एक वक अपने साथियों के साथ स्टाप डेम में नहाने के लिए गया था। यहां पर गहरे पानी में जाने के कारण वह डूब गया। गोताखोरों ने रविवार को उसके शव को निकाला। कोलार पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। कोलार पुलिस के मुताबिक हरी मजार के पास, ब्लूमून कालोनी निशातपुरा निवासी अहमद खान (32) इवेंट मैनेजमेंट व टेंट हाउस का काम करने वाली कंपनी में काम में काम करता था। शनिवार को वह अपने करीब दो दर्जन साथियों के साथ मदर टेरेसा स्कूल के पास स्थित मैरिज गार्डन में काम करने के लिए पहुंचा था। शादी का काम खत्म हो जाने के बाद सभी लोग इनायतपुर स्थित स्टाप डेम पहुंचे थे। सभी लोग यहां पर नहा रहे थे इसी दौरान अहमद गहरे पानी में चला गया तथा वहां जाकर डूब गया। साथ के लोगों ने तुरंत ही पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोताखोर व पुलिसकर्मी वहां पर पहुंच गए। शनिवार की शाम को डेम के पानी में अहमद की तलाश शुरू की। शाम के बाद अंधेरा हो जाने के कारण शव की तलाश बंद कर दी गई। रविवार की सुबह फिर से तलाश शुरू की गई। दोपहर के समय उसकी लाश को बरामद किया गया। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके शव को परिजनों को सौंप दिया गया।

22 वर्षों से चल रहा विशेष भर्ती अभियान पर पदों की नहीं हो रही पूर्ति

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सुरक्षित पदों को भरने के लिए 22 वर्ष से सरकार विशेष भर्ती अभियान चला रहा है। इसके बाद भी अब तक ये पद भरे नहीं जा सके हैं। प्रतिवर्ष जून में सरकार एक वर्ष के लिए विशेष भर्ती अभियान की अवधि में एक वर्ष की वृद्धि कर देती है लेकिन इसके कारण कार्य प्रभावित हो रहा है, क्योंकि इन पदों के विरुद्ध किसी भी भर्ती नहीं हो सकती है। उधर, अब अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण अब 13 प्रतिशत पद और रोक लिए हैं। मध्य प्रदेश में रिक्त पदों को भरने के लिए शिवराज सरकार ने पहल की थी। एक लाख रिक्त पदों को भरने के लिए अभियान चलाया। 60 हजार से अधिक पद भरे जा चुके हैं और कई प्रक्रिया में हैं। 22 हजार से अधिक बैकलाग के पद रिक्त हैं। इन्हें भरने के लिए 2002 से विशेष भर्ती अभियान चल रहा है लेकिन अब तक इनकी पूर्ति नहीं हो पाई है। नियमानुसार इन्हें दूसरे वर्ग से भरा भी नहीं जा सकता है, इसलिए रिक्तता बनी हुई है और प्रतिवर्ष सामान्य प्रशासन विभाग कैबिनेट में

प्रस्ताव लाकर विशेष भर्ती की अवधि बढ़ा दी जाती है। यह स्थिति तब है जब रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार 35 लाख से अधिक हैं। सरकार को बेरोजगार युवाओं को काम देने के लिए सीखो कमाओ जैसी योजना चलानी पड़ी रही है, जिसमें कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाने के साथ आठ से लेकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति भी देने का प्रविधान किया है। यही कारण है कि विशेष भर्ती अभियान को लेकर प्रश्न भी उठने लगे हैं। अनुसूचित जाति, जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के प्रवक्ता विजय श्रवण का कहना है कि यह कैसे संभव है कि बेरोजगारी होने के बावजूद रिक्त पदों के लिए योग्य युवा नहीं मिल रहे हैं। यह बात गले नहीं उतरती है क्योंकि हमारे जानने-पहचानने वालों में ही कई योग्य लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। जब भी कर्मचारी चयन मंडल द्वारा तृतीय या चतुर्थ श्रेणी के पद विज्ञापित किए जाते हैं तो लाखों की संख्या में आवेदन आते हैं। ऐसे में कैसे कहा जा सकता है कि योग्य व्यक्ति नहीं मिल रहे हैं। इसकी तो पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर विशेष भर्ती अभियान चलाए जाने के बाद भी बैकलाग भरा क्यों नहीं जा रहा है। प्रदेश में अनुसूचित जाति-जनजाति के बैकलाग पदों को भरने के लिए अगस्त 2002 में विशेष भर्ती अभियान चलाने का निर्णय लिया गया था। तब से ही इसकी अवधि प्रति वर्ष बढ़ाई जाती रही है। शिवराज सरकार के पिछले कार्यकाल में बैकलाग की स्थिति को समाप्त करने के लिए सभी विभागों को रिक्त पदों पर भर्ती करने के निर्देश दिए थे। तब लगभग 18 हजार पद चिह्नित हुए थे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि पात्रता अनुसार आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी नहीं मिलने की वजह से पद रिक्त रह जाते हैं। इन्हें अनारक्षित वर्ग से भी भरा नहीं जा सकता है इसलिए बैकलाग की स्थिति बनी रहती है। 2005 में ओबीसी को विशेष भर्ती में किया शामिल सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने 2005 में पिछड़ा वर्ग को विशेष भर्ती अभियान में शामिल करने का निर्णय लिया था। इसके पहले पिछड़ा वर्ग के पद बैकलाग में नहीं आते थे। इस वर्ग के लिए आरक्षित जो पद खाली रह जाते थे, उन्हें अनारक्षित घोषित करके भरा जाता था।

गहन समीक्षा होनी चाहिए

मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि पहले यह स्थिति अवश्य थी कि योग्य व्यक्ति नहीं मिलते थे लेकिन आज परिस्थितियां बदली हैं। शिक्षा का विस्तार हुआ पर नौकरियां नहीं मिलने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता है। तकनीकी पद हों तो यह माना जा सकता है कि उस क्षमता के व्यक्ति पर्याप्त उपलब्ध न हों पर अन्य संवर्ग, जिनमें सामान्य शैक्षणिक योग्यता लगती है, वैसा मानव संसाधन तो भरपूर उपलब्ध है, इसलिए विशेष भर्ती अभियान की गहन समीक्षा कर यह पता लगाना चाहिए कि आखिर प्रतिवर्ष अभियान की अवधि बढ़ाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

साम्पदकीय

इस आम चुनाव में बागी किस हद तक समीकरण बिगाड़ेंगे?

चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता।

आम चुनाव, 2024 के संदर्भ में बागी उम्मीदवारों की भी चर्चा की जानी चाहिए। बागी उम्मीदवार किसी भी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र के अभाव के संकेत होते हैं। राजनीतिक दल अपने ही नेताओं, प्रत्याशियों की राजनीतिक बगावत के कारण दोफाड़ तक हो जाते हैं। जनाधार विभाजित हो जाते हैं। काडर और समर्थक भी बंट जाते हैं, लेकिन कई बार यह बगावत अपरिहार्य लगती है। चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता। पार्टियों में बागी चेहरे तभी सामने आते हैं, जब पार्टियों की चुनाव समिति किसी और को उम्मीदवार घोषित करती है और कई बार स्थापित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के भी टिकट काट दिए जाते हैं। भाजपा ने एक-तिहाई सांसदों को इस बार अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन पार्टी कर्नाटक की शिमोगा सीट को लेकर चिंतित है। कर्नाटक के प्रख्यात नेता येदियुरप्पा के पुत्र एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र के सामने, शिमोगा सीट पर, के. एस. ईश्वरप्पा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

कभी ईश्वरप्पा राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री होते थे। वे आरएसएस के बहुत पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बदल कर विजयेन्द्र को अवसर देने का फैसला किया, लेकिन ईश्वरप्पा अचानक बागी हो गए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। मौजू सवाल यह है कि ऐसे बागी उम्मीदवार के कारण भाजपा को चुनावी नुकसान हुआ, तो क्या होगा? एक-एक सांसद बेहद कीमती होता है, तभी 370 या 400 की संख्या तक पहुंचना संभव होगा। राजस्थान की बाड़मेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रवीन्द्र भाटी की खूब चर्चा है। उन्होंने निर्दलीय ही विधानसभा चुनाव, 2023 जीता था, तो वे भाजपा के करीब आए थे, लेकिन चुनाव समिति ने कैलाश चौधरी को टिकट दे दिया। अब रवीन्द्र भाटी निर्दलीय ही व्यापक जन-समूह को आकर्षित कर रहे हैं। स्थानीय मुद्दों से जनमत तैयार कर रहे हैं। उन्हें चुनावी चंदा भी खूब मिल रहा है। राजस्थान की चुरू सीट पर भी भाजपा में बागी पैदा हुआ है। वहां से भाजपा के राहुल कस्वां सांसद चुने गए थे। पार्टी ने इस बार पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझरिया को अधिकृत उम्मीदवार बनाया, तो राहुल बागी होकर कांग्रेस में चले गए और कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव नतीजे की भविष्यवाणी हम नहीं करते, लेकिन भाजपा को कुछ नुकसान जरूर हो सकता है। राजस्थान में ही कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने ही गठबंधन नेता के खिलाफ अभियान क्यों चला रहे हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट इंडिया गठबंधन के तहत बीएपी के हिस्से दी गई थी, लेकिन कांग्रेस के नाराज उम्मीदवार ने भी मैदान नहीं छोड़ा। अंजाम क्या होगा, सभी राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं। महाराष्ट्र में अमरावती सीट पर 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार नवनीत राणा जीती थीं। इस बार भाजपा ने उन्हें अपना अधिकृत प्रत्याशी बना लिया। महायुति के स्थानीय नेता भी नाराज हैं और बागियों का उतरना भी तय है। ऐसे बागियों की सूची लंबी है। बेशक पार्टियां बागी नेताओं को मनाती हैं। उन्हें नामांकन न भरने या उसे वापस लेने को पुचकारती हैं। पार्टी के भीतर कुछ देने का आश्वासन भी दिया जाता है। इस संदर्भ में सफलता-दर बहुत कम है। बागियों को इतने वोट तक मिल जाते हैं कि वे या तो जीत के फासले के करीब पहुंच जाते हैं अथवा अधिकृत प्रत्याशी को पराजित कर देते हैं। छत्तीसगढ़ की रायपुर उत्तर सीट पर विधानसभा चुनाव, 2023 में ऐसा ही हुआ कि कांग्रेस उम्मीदवार बागी चेहरे के कारण चुनाव हार गया। यदि बागी उम्मीदवार के बावजूद मूल पार्टी का अधिकृत चेहरा चुनाव जीत जाता है, जैसा कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव, 2023 में हुआ, तो बागी नगण्य और अप्रासंगिक भी हो जाता है। सवाल है कि पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र बरकरार रखने की खातिर किस-किस की महत्वाकांक्षा को पूरा किया जा सकता है? यदि पार्टी है, तो संगठित रूप से चुनाव लड़ने का मौका सभी को मिलना चाहिए और यह निर्णय चुनाव समिति का ही मान्य होना चाहिए। वह भी लोकतंत्र है। बहरहाल, इस बार के लोकसभा चुनाव में देखना यह होगा कि बागी किस हद तक समीकरण बिगाड़ते हैं।

वोटर को रिझाने की जगह डराने का खेल

हकीकत में राजनेता अब मतदाता को रिझाने की जगह उसे डराने के खतरनाक खेल पर उतर आए हैं। कहीं मतदाता को आरक्षण खत्म करने और संविधान बदल डालने के नाम पर डराया जा रहा है तो कहीं महिला मतदाता से सम्पत्ति के समान वितरण के नाम पर मंगलसूत्र तक छीन लेने और हिंदुओं की आय को मुसलमानों में बांट देने की बात कही जा रही है।

लोकसभा चुनाव के लगातार दूसरे चरण में भी मतदान प्रतिशत घटने से राजनीतिक दलों का आत्मविश्वास डगमगाने लगा है। पार्टियों को अब ऐसे क्लिक करने वाले मुद्दे की तलाश है, जो वोटर को पोलिंग बूथ तक खींच कर ला सके। कम होते वोटिंग के साथ-साथ मुद्दों की शिफ्टिंग भी साफ तौर पर परिलक्षित होने लगी है। विकास और कुछ बड़ा करने के दावे अब हाशिए पर हैं। हकीकत में राजनेता अब मतदाता को रिझाने की जगह उसे डराने के खतरनाक खेल पर उतर आए हैं। कहीं मतदाता को आरक्षण खत्म करने और संविधान बदल डालने के नाम पर डराया जा रहा है तो कहीं महिला मतदाता से सम्पत्ति के समान वितरण के नाम पर मंगलसूत्र तक छीन लेने और हिंदुओं की आय को मुसलमानों में बांट देने की बात कही जा रही है। इसकी व्यावहारिकता और सच्चाई पर कोई नहीं जा रहा है।

चुनाव के कुरूक्षेत्र में भिड़ी दोनो राजनीतिक गठबंधनों की सेनाएं अब अपना- अपना वोट बैंक किसी भी कीमत पर बचाने में लगी हैं। लेकिन मतदाता राजनेताओं और राजनीतिक दलों की इस ड्रामेबाजी से मन ही मन खिन्न नजर आता है, शायद यही कारण है कि प्रलोभनों की बारिश और भयादोहन की पराकाष्ठा के बीच वह घर बैठना ही ज्यादा बेहतर समझ रहा है। भाव यह है कि किसी को भी वोट देने से फायदा क्या? हमाम में सभी निर्लज्ज और झूठे हैं।

यूं हर चुनाव में मतदान प्रतिशत की घट-बढ़ नई बात नहीं है और वोटों की यह कमी बेशी कभी सत्ता की वापसी तो कभी बेदखली के रूप में सामने आती है। वोट प्रतिशत के घटने बढ़ने का हार जीत से कोई सीधा रिश्ता नहीं है। यहां ऊंट किसी भी करवट बैठ सकता है। हालांकि चुनाव आयोग भी लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाता की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को लेकर कई तरह से कोशिश करता है ताकि चुनाव नतीजों की साख अधिकाधिक बढ़े।

राजनीतिक दल भी अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि वोटों की संख्या ही सियासी रण में विजेता का फैसला करती है। लेकिन इस बार वोटर ही बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं दिख रहा है, इसके पीछे जो कारण गिनाए जा रहे हैं, उन्हें राजनीतिक मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और चुनावी रणनीतिकार भी समझने की कोशिश कर रहे हैं।

इधर कुछ तर्क सामने भी आए हैं जिनमें गर्मी ज्यादा होने, एक वर्ग द्वारा मतदान दिवस की छुट्टी को पिकनिक डे के रूप में मनाने, भाजपा शासित ज्यादातर राज्यों में चुनावी माहौल एकतरफा होने का नरेटिव बनने, नई सरकार बनाने या बदलने के प्रति मतदाता के अप्रतिबद्ध होने, भाजपा नेताओं द्वारा चुनाव के पहले ही 4 सौ पार का नारा देकर चुनाव नतीजों की प्री सेटिंग करने से भाजपा के वोटर द्वारा चैन की नींद सोने, विपक्ष के एकजुट होने के बाद भी नेतृत्वविहीन होने तथा सत्ता परिवर्तन के लिए ऐसा कोई आंतरिक बल या प्रेरणा का अभाव जो मतदाता को पोलिंग बूथ तक जाने के लिए विवश करे आदि शामिल है।

दरअसल, इस लोकसभा चुनाव के पहले राजनेताओं ने जिस तरह गर्वोक्तियां की थी, उससे लग रहा था कि इस बार मतदान के दौरान कोई सुनामी आने वाली है, जो या तो मोदी सरकार के पक्ष में होगी या फिर उसके विरोध में। लेकिन मतदान के जो आंकड़े आ रहे हैं, उससे सुनामी तो क्या बरसाती नदी की मौसमी बाढ़ का भी अहसास नहीं हो रहा। हालत यह है कि 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में पहले चरण में 102 सीटों पर हुए मतदान में औसतन 4.4 फीसदी की गिरावट आई तो दूसरे चरण में यह कमी और बढ़कर 7 फीसदी तक जा पहुंची।

बावजूद इसके कि मप्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के मंत्रियों को साफ चेतावनी दे दी थी कि वोटिंग घटा तो उनकी कुर्सी भी जाएगी। इसका भी वोटरो पर कोई असर नहीं हुआ, अब मप्र में किस किस मंत्री की कुर्सी जाएगी, लोग इस पर चर्चा में ज्यादा रस ले रहे हैं बजाए इसके कि वोटिंग कैसे बढ़े। हालांकि मतदान के पांच चरण अभी बाकी हैं, लेकिन अगर वोटिंग ट्रेंड नहीं बदला तो सियासी दलों के चुनावी गणित गड़बड़ा सकते हैं।

मतदाता जो भी सोच रहा हो, राजनीतिक दलों ने इस उदासीनता को तोड़ने के लिए वोटर को रिझाने, मनाने की बजाए डराने के नुस्खे पर काम शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत पहले विपक्ष की तरफ से हुई। कहा गया कि भाजपा और एनडीए को 4 सौ पार का बहुमत इसलिए चाहिए कि देश के संविधान को बदला जा सके। हालांकि कोई यह बताने की स्थिति में नहीं है कि संविधान बदलने का निश्चित अर्थ और विषयवस्तु क्या है। संविधान में संशोधन का प्रावधान पहले ही से है।

संविधान के मूल ढांचे में बदलाव नहीं किया जा सकता, यह कोर्ट का फैसला है। अगर भाजपा इसे बदलना भी चाहे तो क्या बदलेगी? दबी जबान से यह बात फैलाई जा रही है कि संविधान नए सिरे से लिखा जाने वाला है, जो मनुस्मृति पर आधारित होगा। लेकिन जब यह देश ईवीएम से बैलेट पेपर पर वापस जाने के लिए तैयार नहीं है तब संविधान को ढाई हजार साल पुरानी मनुस्मृति के आधार पर पुनर्लेखन की बात महज सियासी शोशेबाजी है। दूसरा डर है आरक्षण खत्म करने का। भाजपा भारी बहुमत में आएगी तो आरक्षण का खत्म होगा। खासकर दलितों और आदिवासियों का। यह भी देश के लोकतांत्रिक तकाजों और विवशताओं के चलते असंभव है। इसके पहले विपक्षी दल अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानो को सीएए और एनआरसी पर डराते आ ही रहे हैं। जबकि सीएए तो नागरिकता छीनने का नहीं, देने का कानून है। मकसद यही कि किसी तरह वोटों की गोलबंदी मजबूती से हो।

दूसरी तरफ विकास और देश को विश्वगुरु बनाने के दावे अब आर्थिक न्याय-अन्याय के बीहड़ों में छटपटाते नजर आ रहे हैं। इसकी शुरुआत तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही की। उन्होंने कांग्रेस घोषणा पत्र में आर्थिक समानता के वादे को उलटाते हुए मतदाताओं और खासकर हिंदू मतदाताओं को डराया कि कांग्रेस सभी का आर्थिक सर्वेक्षण कराके तमाम हिंदुओं की सम्पत्ति हड़प कर मुसलमानों में बांट देगी।

क्या यह संभव है? जब 600 साल के मुस्लिम शासन में यह मुमकिन न हो सका तो कांग्रेस जो खुद ही अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है, 80 फीसदी हिंदुओं की सम्पत्ति छीनकर मुसलमानों को बांटने का क्या खाकर दुस्साहस करेगी और क्या हिंदू ऐसा होने देंगे? प्रधानमंत्री ने इस सम्पत्ति के बंटवारे में मंगलसूत्र का इमोशनल धागा भी पिरोया कि कांग्रेस पावर में आई तो सधवाओं के मंगलसूत्र भी छिन जाएंगे।

हिंदू विवाहित महिलाओं द्वारा सुहाग के प्रतीक मंगल सूत्र पहनने की प्रथा देश में मुख्य रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक में है। गुजरात में भी हो सकती है, लेकिन देश के बाकी हिस्सो में विवाहित महिलाए आमतौर सोने की चेन, जिसमें पेंडेंट लटका होता है ही पहनती हैं, इसलिए मंगलसूत्र बचाने की अपील कितनी कारगर होगी, कहना मुश्किल है। इसी तरह मामला विरासत कर का भी है। अमेरिका के कुछ राज्यों में प्रचलित विरासत कर (इनहेरिटेंस टैक्स) भारत में लागू करने का सुझाव अमेरिका में रह रहे कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने दिया था। जबकि कांग्रेस ने इससे खुद को अलग कर लिया है। लेकिन भाजपा इस सुझाव को भी कांग्रेस के ह्यसंकल्प के रूप में पेंट कर रही है। इस देश में लोग अमूमन सामान्य कर भी देने में आनाकानी करते हैं, वो विरासत कर जैसा काल्पनिक कर देने की उदारता क्योंकर दिखलाएंगे?

जाहिर है कि चुनाव प्रचार अब जमीनी मुद्दों के बजाए हवाई मिसाइल अटैक पर ज्यादा फोकस होता जा रहा है। ये ऐसी बातें हैं, जिनका आम मतदाता की जिंदगी और आकांक्षाओं से खास सम्बन्ध नहीं है। भाजपा यह जताने की कोशिश कर रही है कि कांग्रेस का राज मतलब मुसलमानों की हुकुमशाही तो भाजपा को फिर से सत्ता सौंपने का अर्थ हिंदुओं की तानाशाही है। यानी पूरा नरेटिव अर्ध सत्य पर चल रहा है। अगर तीसरे चरण में भी मतदान का औसत नहीं सुधरा तो हमे सियासत के और घटिया तथा भ्रामक नमूने देखने को मिल सकते हैं। जो सत्ता की रस्साकशी में जो हो रहा है, वह कम से कम लोकतंत्र के लिए स्वास्थ्यप्रद कतई नहीं है। आगे आगे देखिए, होता है क्या?

किसी के दिमाग में एक विचार को जन्म दे सकती है हेट स्पीच

अगर कोई चीज दिखने में बत्तख जैसी लगती है, तैरती भी बत्तख की तरह है और आवाज भी बत्तख की निकालती है, तो फिर भी ये हो सकता है कि वो असल में बत्तख ना हो! यही बात नफरती भाषणों पर भी लागू होती है। चुनावों के दौरान नेता अक्सर भड़काऊ और गलत मतलब वाली बातें कर देते हैं। ये बातें सुनकर देश के लोग थोड़ा परेशान तो होते हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में नेता बाद में सफाई दे देते हैं कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया या फिर गलत समझा गया। बाद में माफी मांगने से कुछ नहीं होता। एक बार जो बात कह दी वो वापस नहीं ली जा सकती। अहम बात यह है कि हेट स्पीच किसी के दिमाग में एक विचार को जन्म दे सकती है।

चुनाव आयोग ने एक सख्त कदम उठाते हुए, गलती करने वालों के लिए माफी मांगने का रास्ता बंद कर दिया है। चुनाव आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व कानून की धारा 77 का इस्तेमाल किया है और पार्टी अध्यक्षों को जिम्मेदारी दी है कि वे अपने पार्टी के स्टार प्रचारकों को नियंत्रण में रखें। आयोग ने यह भी कहा है कि राजनीतिक पार्टी के उच्च पदों पर बैठे लोगों के चुनाव प्रचारों का जनता पर ज्यादा गंभीर असर पड़ता है। अब हम इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं कि जेपी नड्डा, नरेंद्र मोदी के साथ बैठेंगे और कहेंगे बॉस, थोड़ा संभाल के। उसी तरह मल्लिकार्जुन खड़गे भी राहुल गांधी से बात करेंगे। शायद ये उन्हें याद दिलाने के लिए होगा कि राहुल गांधी वाकई में पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। हो सकता है कि रॉबर्ट वाड्रा भी खड़गे के दफ्तर के बाहर इंतजार कर रहे हों, यह सोचकर कि वे भी स्टार प्रचारक हैं। पार्टी अध्यक्षों को उनकी पार्टी के अनाम स्टार प्रचारकों को नियंत्रित करने के लिए कहकर, चुनाव आयोग ने सभी उच्च पदों पर बैठे लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। यह एक चालाक तरीका है।

जब प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले हफ्ते राजस्थान में एक रैली में कांग्रेस के सत्ता में आने पर देश के संसाधनों को घुसपैठियों और अधिक बच्चे पैदा करने वालों में बांटने के बारे में बात की, तो वे मेरे स्थानीय नेपाली मोमो मैन रंजीत या मेरे दिवंगत परदादा-परदादी के बारे में बात नहीं कर रहे थे, जिन्होंने 11 बच्चों को जन्म दिया था, जो कांग्रेस के शासन में दूसरों की कीमत पर अमीर बनने की संभावना रखते हैं। हालांकि, एम शब्द का सीधा उल्लेख न करके वो अपने भाव जनता तक पहुंचा रहे थे। यह उनकी मंशा को साफ जाहिर कर रहा था। शायद तभी चुनाव आयोग के पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। राहुल गांधी भी जांच के दायरे में थे। उनकी मौखिक चूक में भारत में गरीबी बढ़ने के बारे में झूठे दावे करना और उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देना शामिल था।

चुनाव प्रचार के गलत तरीकों की बात करें तो, ऐसा लगता है कि हेट स्पीच सबसे बड़ी समस्या नहीं है। इसकी परिभाषा स्पष्ट नहीं है और इसे बदला जा सकता है, लेकिन आम तौर पर इसका मतलब किसी समूह या समुदाय के प्रति नफरत की भावना पैदा करने वाला भाषण होता है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी के बारे में अशोभनीय टिप्पणियों के लिए 48 घंटे का प्रचार प्रतिबंध लगाया था।आयोग ने उनके बयान को महिलाओं का अपमान माना और इस वजह से प्रतिबंध लगाया, न कि नफरती भाषण की कैटेगिरी में बैन लगाया। तो क्या ये वाकई नफरती भाषण नहीं था?

पिछले साल, तमिलनाडु के डीएमके मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी, जिन्हें खत्म करने की जरूरत है। यह सीधी और स्पष्ट रूप से हेट स्पीच का एकदम साफ उदाहरण था। पिछले महीने, कर्नाटक में एक दुकानदार की हनुमान चालीसा बजाने की वजह से पिटाई की खबरों के बाद, बीजेपी मंत्री शोभा करंदलाजे ने मीडिया से कहा, तमिलनाडु के लोग यहां (कर्नाटक) आते हैं, यहीं ट्रेनिंग लेते हैं और यहीं बम रखते हैं। बेंगलुरु में 1 मार्च को हुए आईईडी धमाके का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, दिल्ली से एक आदमी आकर विधान सौधा में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाता है। केरल से एक आदमी आकर कॉलेज स्टूडेंट्स पर तेजाब फेंकता है। ये सरकार अल्पसंख्यकों की रक्षा कर रही है और हिंदू विरोधी है। ये सब नफरत फैलाने वाली बातें हैं। इस तरह के बयानों को राजनीति से जोड़ने पर मामला गंभीर होता है।

1984 में, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए सिख विरोधी दंगों के बाद एक चुनावी रैली में एक प्रधानमंत्री ने लोगों से कहा, जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो जमीन हिल जाती है। इस बात को आमतौर पर और सही मायने में, दंगों को सही ठहराने के रूप में लिया गया था। लेकिन यह वाक्य दो अर्थों वाला था। धरती थोड़ी हिलती है को शायद दुख जताने के तौर पर भी माना जा सकता था। लेकिन चुनाव आयोग ने राजीव गांधी को या किसी भी बड़े नेता को हेट स्पीच के लिए कोई सजा नहीं दी। गौर करने वाली बात ये है कि अब चुनाव आयोग बड़े नेताओं के प्रभाव में नहीं आता है, जिसे अच्छी बात माना जाना चाहिए।

जयप्रद देसाई खोलेंगे आईपीएल के पूरे फर्जीवाड़े की पोल, गुजरात से जुड़े निकले असली खेल के तार

लेखक फराज एहसान की किताब 'फर्स्ट कॉपी' ने क्रिकेट की सबसे मशहूर इंडियन प्रीयर लीग के दौरान चलने वाले सट्टे को विस्तार से उजागर किया है। इस पूरी धांधली के तार गुजरात से जोड़ते हुए फराज एहसान ने इस पूरे मामले की विस्तार से तफ्तीश की। उनकी ये किताब आईपीएल के समानांतर चलने वाले फर्जी आईपीएल की कहानी कहती है। ये ऐसा मामला रहा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सट्टेबाजों की मिली भगत भी सामने आई। अब इसी किताब पर एक फिल्म बनने जा रही है। फराज एहसान की किताब 'फर्स्ट कॉपी' पर फिल्म बनाने का बीड़ा निर्माता, पटकथा लेखक और निर्देशक जयप्रद देसाई ने उठाया है। अपनी फिल्म 'कौन प्रवीण तांबे?' से सुर्खियों में आए जयप्रद की वेब सीरीज 'मुखबिर' भी काफी चर्चा में रही है। न्यूयॉर्क से सिनेमा में परास्नातक करने वाले जयप्रद की एक और फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। डिनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई फिल्म कौन प्रवीण ताम्बे? के बाद ये दूसरा मौका होगा जब जयप्रद देसाई ने क्रिकेट को अपनी फिल्म की थीम बनाया है। सूत्रों का कहना है कि जयप्रद की ये फिल्म फर्जी आईपीएल कांड की रोमांचकारी कहानी को एक अनूठे ढंग से बयां करेगी. इस स्कैंडल को क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े कांड के रूप में याद किया जाता है। जानकारी के मुताबिक जयप्रद देसाई की फर्जी आईपीएल कांड पर बनने जा रही इस फिल्म की पटकथा हुसैन दलाल और अब्बास दलाल ने मिलकर लिखी है। ये दोनों भाई हिंदी सिनेमा में 2 स्टेट्स, ये जवानी है दीवानी, और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्में लिखने के लिए जाते हैं। दोनों ने अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी भी लिखी है। भुवन बाम की सीरीज ताजा खबर में भी दोनों का काम काफी सराहा गया। फर्जी आईपीएल कांड पर आधारित इस फ़िल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू कर दी जाएगी और इसके निर्माता इस फिल्म को अगले साल रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म के कलाकारों और तकनीशियनों का चयन शुरू हो चुका है।

भंसाली ने लॉस एंजिल्स में की गंगूबाई काठियावाड़ी की स्क्रीनिंग, हीरामंडी की भी दिखाई खास झलक

फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली को उनकी सेट की भव्यता, दमदार कहानियों और स्क्रीन पर महिलाओं के सशक्त चित्रण के लिए जाना जाता है। इससे पहले उन्होंने अपनी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी से दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। स्क्रीन पर महिलाओं के सशक्त चित्रण के लिए जाना जाता है। संजय लीला भंसाली ने एयरो थिएटर में अपने काम की एक विशेष पूर्वव्यापी प्रस्तुति से लॉस एंजिल्स के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह स्थान भंसाली के सिनेमाई ब्रह्मांड के एक संग्रहालय में तब्दील हो गया था, जिसमें उनकी प्रशंसित फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी शामिल थी। फिल्म में आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थीं।

हीरामंडी की खास झलक

अमेरिकन सिनेमैथेक ने इस कार्यक्रम की मेजबानी की थी, जिसमें जीवन के सभी क्षेत्रों के सिनेप्रेमियों ने दूरदर्शी निर्देशक की दुनिया का लुत्फ उठाया। स्क्रीनिंग के बाद वहां उपस्थित लोगों को संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज नेटफ्लिक्स की हीरामंडी- द डायमंड बाजार की एक विशेष झलक देखने को मिली। उसी शाम को फिल्म निर्देशक और निर्माता के साथ मीडिया और दर्शकों की खास बातचीत भी हुई, जहां उन्होंने अपनी रचनात्मक प्रक्रिया और विषयगत विकल्पों पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम की तस्वीरें वायरल

भंसाली प्रोडक्शंस ने कार्यक्रम की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कीं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, एलए ने संजय लीला भंसाली के जादू का जश्न मनाया। अमेरिकन सिनेमैथेक ने गंगूबाई काठियावाड़ी का एक विशेष पूर्वव्यापी आयोजन किया और दुनिया भर के सिनेप्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाली हीरामंडी की विशेष झलक दिखी, जो मुख्य आकर्षण था। संजय लीला भंसाली के साथ एक विशेष लाइव चैट, उनकी दूरदर्शी सोच पर प्रकाश डालती है।

महिलाओं के किरदार पर फिल्म निर्माता का पक्ष दर्शकों के साथ अपनी बातचीत के दौरान संजय ने मजबूत महिला पात्रों के चित्रण के पीछे की प्रेरणा के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हम उस भूमि से आते हैं, जहां हम देवी की पूजा करते हैं। मैंने अपने पूरे जीवन में अविश्वसनीय रूप से मजबूत महिलाएं देखी हैं। महिलाओं को सुनने, देखने और उनकी कहानियां सुनाने की जरूरत है। वे मानव जाति के निर्माता हैं। हम सभी नारी जाति से पैदा हुए हैं।

बिपाशा बसु ने पति करण को रोमांटिक अंदाज में विश की 8वीं शादी की सालगिरह, साझा किया क्यूट नोट

बॉलिवुड अभिनेत्रा बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर आज 30 अप्रैल को अपनी शादी की 8वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस मौके को खास बनाने के लिए बिपाशा ने सोशल मीडिया पर एक स्पेशल वीडियो शेयर किया साथ ही पति करण के लिए लिखा एक क्यूट नोट। बिपाशा और करण बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स की लिस्ट में आते हैं। फैंस इनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। बिपाशा और करण दोनों ही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। बिपाशा बसु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पति करण सिंह ग्रोवर के लिए 8वीं सालगिरह की बधाई देते हुए एक स्पोशल रोमांटिक वीडियो साझा किया है। साथ ही अभिनेत्री ने पति करण के लिए एक क्यूट नोट भी लिखा है।

बिपाशा का एनिवर्सरी पर स्पेशल वीडियो

बिपाशा बसु ने कुछ ही घंटों पहले पति करण सिंह ग्रोवर के लिए एक खास वीडियो शेयर किया है। इसके साथ ही बिपाशा ने करण के लिए एक प्यारा नोट भी लिखा है। बिपाशा और करण ने 30 अप्रैल 2016 में शादी की थी। बिपाशा ने अपनी शादी से लेकर अभीतक की 8 साल की जर्नी को इस वीडियो में दिखाया है। साथ ही बिपाशा ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी 8वीं मंकीवर्सरी माई लव.. हम कभी नहीं रुकेंगे अपने जीवन का हर दिन साथ में मनाएंगे हमेशा के लिए।

फैंस की शुभकामनाएं

बिपाशा की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फैंस दोनों स्टार्स को शादी की सालगिरह की बधाई दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, लव लव लव, एक और फैन ने लिखा, आप दोनों को हैप्पी एनिवर्सरी, भगवान आप दोनों पर अपनी कृपा बनाएं रखें।, एक और फैन ने लिखा, आप दोनों की शादी की सालगिरह की बहुत-बहुत बधाई, मेरे सभी पसंदीदा कपल्स में से सबसे खास हैं आप दोनों।, एक फैन ने लिखा, बधाई हो, मुझे लगता है कि आपको आम का केक पसंद होगा।, एक और फैन ने लिखा, आप दोनों को शादी की सालगिरह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आप दोनों बहुत प्यारे और खूबसूरत दिख रहे हो। एक फैन ने लिखा, सो क्यूट। फैंस लगातार बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर को शादी की सालगिरह की बधाई दे रहे हैं।बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने 30 अप्रैल 2016 को सात फेरे लिए थे। इन दोनों स्टार्स की पहली मुलाकात फिल्म अलोन के सेट पर हुई थी। इस फिल्म में उनकी रील लाइफ केमेस्ट्री रीयल लाइफ में बदल गई। शादी के 6 साल बाद इन दोनों ने नवंबर 2022 में बेटी देवी का स्वागत किया। दोनों अपनी पर्सनल लाइफ को खूब एंजॉय कर रहे हैं। दोनों एक साथ बेहद खुश हैं।

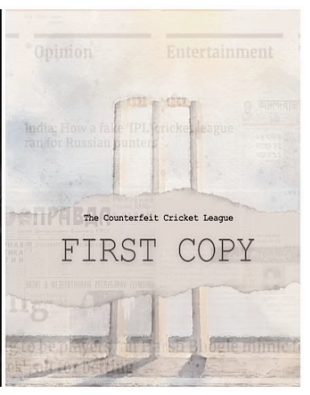

जयप्रद देसाई खोलेंगे आईपीएल के पूरे फर्जीवाड़े की पोल, गुजरात से जुड़े निकले असली खेल के तार

लेखक फराज एहसान की किताब 'फर्स्ट कॉपी' ने क्रिकेट की सबसे मशहूर इंडियन प्रीयर लीग के दौरान चलने वाले सट्टे को विस्तार से उजागर किया है। इस पूरी धांधली के तार गुजरात से जोड़ते हुए फराज एहसान ने इस पूरे मामले की विस्तार से तफ्तीश की। उनकी ये किताब आईपीएल के समानांतर चलने वाले फर्जी आईपीएल की कहानी कहती है। ये ऐसा मामला रहा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सट्टेबाजों की मिली भगत भी सामने आई। अब इसी किताब पर एक फिल्म बनने जा रही है। फराज एहसान की किताब 'फर्स्ट कॉपी' पर फिल्म बनाने का बीड़ा निर्माता, पटकथा लेखक और निर्देशक जयप्रद देसाई ने उठाया है। अपनी फिल्म 'कौन प्रवीण तांबे?' से सुर्खियों में आए जयप्रद की वेब सीरीज 'मुखबिर' भी काफी चर्चा में रही है। न्यूयॉर्क से सिनेमा में परास्नातक करने वाले जयप्रद की एक और फिल्म 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। डिनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई फिल्म कौन प्रवीण ताम्बे? के बाद ये दूसरा मौका होगा जब जयप्रद देसाई ने क्रिकेट को अपनी फिल्म की थीम बनाया है। सूत्रों का कहना है कि जयप्रद की ये फिल्म फर्जी आईपीएल कांड की रोमांचकारी कहानी को एक अनूठे ढंग से बयां करेगी. इस स्कैंडल को क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े कांड के रूप में याद किया जाता है। जानकारी के मुताबिक जयप्रद देसाई की फर्जी आईपीएल कांड पर बनने जा रही इस फिल्म की पटकथा हुसैन दलाल और अब्बास दलाल ने मिलकर लिखी है। ये दोनों भाई हिंदी सिनेमा में 2 स्टेट्स, ये जवानी है दीवानी, और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्में लिखने के लिए जाते हैं। दोनों ने अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी भी लिखी है। भुवन बाम की सीरीज ताजा खबर में भी दोनों का काम काफी सराहा गया। फर्जी आईपीएल कांड पर आधारित इस फ़िल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू कर दी जाएगी और इसके निर्माता इस फिल्म को अगले साल रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म के कलाकारों और तकनीशियनों का चयन शुरू हो चुका है। हिंदी सिनेमा के एक बड़े हीरो को फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

रणबीर कपूर की टीम मुंबई सिटी एफसी ने गोवा को हराया, पत्नी आलिया भट्ट के साथ मनाया जीत का जश्न

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने सोमवार शाम फुटबॉल मैच का आनंद लिया। इंडियन सुपर लीग में सभी फुटबॉल फैंस अपनी-अपनी टीम का उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी सिलसिले में अभिनेता रणबीर कपूर ने भी मुंबई सिटी एफसी के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए मैच का मजा लिया। मालूम हो कि रणबीर इस टीम के सह-मालिक भी हैं। मुंबई सिटी एफसी से रणबीर कपूर का नाता साल 2014 से है। उनके अलावा बिमल पारेख भी इस टीम के मालिक हैं।

रणबीर की टीम ने दी गोवा को मात

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का मैच के दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को मुंबई सिटी एफसी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया है, जिसमें रणबीर स्टेडियम में बैठे लोगों की ओर हाथ हिलाते हुए नजर आ रहे हैं। उन्हें अपनी टीम की जर्सी को हवा में घुमाते हुए भी देखा जा सकता है। इस मौके पर आलिया भी उनके साथ चलती दिख रही हैं। दोनों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। इसकी वजह यह है कि उनकी टीम ने गोवा को हरा दिया।

यूजर्स ने दिया कोलकाता आने का न्यौता

वीडियो के कमेंट बॉक्स में रणबीर और आलिया के फैंस ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी। एक यूजर ने लिखा, मुंबई की टीम का समर्थन करने का एक और कारण है- रणबीर कपूर। एक दूसरे यूजर ने लिखा, रणबीर और आलिया बहुत सुंदर दिख रहे हैं। एक अन्य यूजर ने रणबीर और आलिया को फाइनल मैच के लिए कोलकाता आने का न्यौता दिया।

रणबीर की आने वाली फिल्म

रणबीर की आने वाली फिल्मों की बात करें तो वह रामायण में नजर आने वाले हैं। इसकी शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। फिल्म के सेट से कई तस्वीरें लीक हो चुकी है। आए दिन फिल्म से जुड़ा कोई न कोई ताजा अपडेट मिलता रहता है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा साई पल्लवी भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में दिखाई देंगे।

वे दिखावा करते हैं और रातोंरात स्टारडम चाहिए, युवा कलाकारों पर शेखर सुमन ने क्यों किया कटाक्ष

शेखर सुमन इन दिनों हीरामंडी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज में दमदार किरदार में नजर आएंगे। वे लगातार सीरीज का प्रचार कर रहे हैं। अब उन्होंने हाल ही में दिए साक्षात्कार में नए युवा कलाकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज कल के युवा कलाकार बहुत जल्दी सफलता की सीढ़ियां चढ़ना चाहते हैं और बहुत जल्दी प्रसिद्धि पाना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर सवाल उठाया कि ये कलाकार कहीं स्पॉट किए जाने पर आश्चर्यचकित होने का दिखावा क्यों करते हैं?

युवा कलाकारों पर कटाक्ष

अभिनेता ने कहा कि इस युग में भी कई अच्छी चीजें हैं, लेकिन कमियां भी हैं। ये सभी नए युवा कलाकार अपने जीवन में बहुत जल्द प्रसिद्धि चाहते हैं। उन्हें रातों-रात स्टारडम चाहिए। वे हर जगह नजर आना चाहते हैं। हर कोई उनके बारे में बात करे। रील्स बन रही हैं। वे हर जगह खुद को दिखा-दिखा परेशान हैं और लोग देख-देख के परेशान हैं। उन्हें उनके घर, एयरपोर्ट और जिम में स्पॉट किया जा रहा है और हर जगह वे आश्चर्यचकित होने का अभिनय करते हैं, जैसे कि उन्हें नहीं पता था कि लोग वहां आने वाले हैं, क्योंकि उन लोगों को उनके द्वारा बुलाया गया था।

बेटे के साथ पहली बार काम कर रहे शेखर

शेखर सुमन अब संजय लीला भंसाली की हीरामंडी- द डायमंड बाजार की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। शो में वे जुल्फिकार अहमद की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जिसका व्यवहार ही शक्ति और परिष्कार को दर्शाता है। फिल्म में शेखर के बेटे अध्ययन सुमन भी होंगे, जो जोरावर अली खान के रूप में नजर आएंगे, जो एक अमीर और घमंडी नवाब है, जिसके कार्य पूरी तरह से स्वार्थ से निर्देशित होते हैं।

बेहतर काम करना चाहते हैं शेखर

अपने बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि जब हम घर से निकलते हैं तो हम पिता-पुत्र होते हैं, लेकिन जब हम सेट पर पहुंचते हैं तो प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। काम तो हमें बेहतर करना है, चाहे बेटा हो या कोई और हो हमारे सामने। पिता-पुत्र की जोड़ी के अलावा हीरामंडी में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल भी हैं। हीरामंडी एक मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

आयुष शर्मा की रुसलान का हाल-बेहाल, मैदान-बड़े मियां छोटे मियां ने किया इतना कारोबार

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन करा रही हैं। अजय देवगन स्टारर फिल्म मैदान और अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों को अब भी पसंद आ रही हैं। हालांकि, गुजरते वक्त के साथ इन फिल्मों की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं, हाल ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई आयुष शर्मा की फिल्म रुसलान से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। मगर बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का चार दिन में ही बुरा हाल हो गया है। ऐसे में जानते हैं सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर इन सभी फिल्मों का क्या हाल रहा...

बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा स्टारर फिल्म रुसलान सिनेमाघरों में आते ही फेल साबित हो गई है। करण एल भूटानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का दर्शको को बेसब्री से इंतजार था। मगर ये फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में असफल साबित हुई है। आयुष शर्मा की फिल्म की फिल्म ने चार दिन में ही घुटने टेक लिए हैं। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर पहले दिन महज 55 लाख रुपये की ओपनिंग ली। फिल्म रुसलान ने दूसरे दिन यानी कि शनिवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये की कमाई की थी। तीसरे दिन रुसलान ने 79 लाख रुपये की कमाई की थीं। वहीं, सोमवार यानी चौथे दिन रुसलान ने 40 लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म ने 2.55 करोड़ रुपये की कुल कमाई कर ली है। 18वें दिन 1.10 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

अक्षय कुमार-टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां अब भी सिनेमाघरों में अपने पैर जमाए हुए है। फिल्म धीमी रफ्तार के साथ मजबूती से आगे बढ़ रही है। हालांकि, गुजरते दिनों के साथ फिल्म की कमाई में गिरावट देखी जा रही है। 18वें दिन फिल्म ने 1.10 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, सोमवार यानी 19वें दिन बड़े मियां छोटे मियां ने 40 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म की कुल कमाई 60.95 करोड़ रुपये हो गई है। अजय देवगन स्टारर फिल्म मैदान भी मजबूती के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपने पैर जमाए हुए है। हालांकि, वक्त के साथ फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन फीका होता जा रहा है। रविवार यानी 18वें दिन मैदान ने 1.90 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, 19वें दिन फिर से फिल्म की

कमाई में गिरावट देखी गई है। सोमवार को फिल्म ने 50 लाख रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 43.25 करोड़ रुपये हो गया है।

पीएम आवास योजना में सहारनपुर जिले में अभी तक 35554 आवास बने, दो हजार आवेदक अभी है प्रतीक्षा में

सहारनपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना की गति बेहद सुस्त है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, प्रधानमंत्री आवास योजना में सहारनपुर जिले में अभी तक केवल 35554 आवास बने है। करीब दो हजार लोग अभी प्रतीक्षारत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों को पक्का मकान दिलाने के लिए नगरीय और ग्रामीण इलाकों में 25 जून 2015 को प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की थी। सहारनपुर जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना की गति बेहद सुस्त है। ग्रामीण इलाकों में आवेदक कई वर्षों से आवास स्वीकृत होने की प्रतीक्षा कर रहे है। इस योजना का मकसद था कि हर गरीब को अपना सिर ढकने के लिए छत मिल जाए। शहरी क्षेत्र में लाभार्थी को सरकार की ओर से ढाई लाख रूपए दिए

जाते है। जिस व्यक्ति की आय सालाना तीन लाख रूपए से कम होती है। वह ही इसके लिए आवेदन कर सकते है। धनराशि तीन किश्तों में दी जाती है। पहली किश्त 50 हजार रूपए, दूसरी किश्त डेढ लाख रूपए और तीसरी किश्त 50 हजार रूपए की होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना के तहत लाभार्थी को एक लाख 20 हजार रूपए मिलते है। जानकारी के मुताबिक लोकसभा चुनाव के बाद इस योजना में लाभार्थियों को दोगुनी धनराशि मिलेगी और मकानों की संख्या भी बढेगी। ध्यान रहे यह योजना 31 मार्च 2024 को खत्म हो गई। चुनाव बाद नए सिरे से और नए सुधारों के साथ फिर से योजना की शुरूआत होगी। नई योजना आगामी पांच साल तक चलेगी। पहली योजना में 15 मार्च 2024 तक देश में 2.5 करोड मकान बनाए गए है।

सहारनपुर जिले में 23 हजार 956 मकान पिछडी जाति के और नौ हजार 454 मकान अनुसूचित जाति के लोगों के बने है और 2144 आवास सामान्य जाति के लोगों के बने है।

कार बेकाबू होकर पेड से टकराई, हादसे में कार सवार युवती की हुई मौत, भाई घायल

घायल को कराया गया अस्पताल में भर्ती, युवती के शव को भेजा गया पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के नागल थाना क्षेत्र में सीडकी के पास एक कार बेकाबू होकर पेड से टकरा गई। जिसमें 22 वर्षीय युवती आरजू, पिता ओमवीर, निवासी झबरेडा, उत्तराखंड की मौत हो गई और उसका भाई अमन घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। थानाध्यक्ष ज्ञानेश्वर बौद्ध ने आज बताया कि युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक कार सवार भाई-बहन सहारनपुर जा

रहे थे। सैदपुरा गांव के पास कार पेड से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड गए।

स्वीप प्लान के अंतर्गत नगर में प्रशासन इलेवन एवं पत्रकार संघ के बीच मतदाता जागरूकता को लेकर मैच का हुवा आयोजन...!

मैच में प्रशासन की टीम विजेता, पत्रकार संघ की टीम रही उप विजेता

पियूष अग्रवाल । सिटी चीफ

खरगोन । भीकनगांव, लोकसभा निर्वाचन 2024 को लेकर स्वीप प्लान के अंतर्गत नगर के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सोमवार को प्रशासन इलेवन एवं पत्रकार इलेवन के बीच मैत्री मैच सुबह 8 बजे सरकारी स्कूल ग्राउंड पर खेला गया जिसमे पहले टास जीतकर पत्रकार संघ ने बल्लेबाजी का निर्णय लिया जो 10 सीमित अवर में पत्रकार संघ ने 90 रन बनाए वही प्रशासन की टीम ने 9 ओवर में 6 विकेट से प्रशासन की टीम विजेता रही वही उपविजेता पत्रकार संघ रहा वही मेन ऑफ मेच सुरेन्द्र दागी , मेन ऑफ द कैच पत्रकार पिंटू शर्मा, को दिया गया वही मोस्ट ऑफ रन आलोक यादव, मोस्ट ऑफ सेकंड रन पत्रकार प्रशांत गंगराड़े को दिया गया वही टीम में अंपायर अनिल सोनी, सर रहे कमेंट्री दुर्गेश पराशर सर द्वारा की गई।

मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर प्रशासन की ओर से एसडीएम बीएस कलेश, तहसीलदार रविन्द्र चौहान, एसडीओपी राकेश आर्य ने भी

प्रशासनिक टीम में मैच खेला और ग्राउंड पर सभी को 13 मई को मतदान करने के लिए सभी को प्रेरित किया गाय। मैच के दौरान सभी प्रशासनिक अधिकारी सहित पत्रकार संघ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

जहरीला पानी पीने से एक चरवाहे की 15 भेड़ों की हुई मौत, जबकि चार की हालत गंभीर

पीड़ित ने तहसील प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जहरीला पानी पीने से एक चरवाहे की 15 भेड़ों की मौत हो गई जबकि चार की हालत गंभीर है। पीड़ित ने तहसील प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव जसमौर निवासी विक्रम पुत्र मूलराज भेड़ पालन का कार्य करता है। उसके पास लगभग 100 भेड़ हैं। वह अपनी भेड़ों को गांव पाजरायपुर के जंगल में चुगाने के लिए लेकर गया था। बीती देर शाम जब वह गांव फतेहपुरकला के पास पहुंचा तो कुछ भेड़ों ने वहीं पास के रजबहे में इकट्ठा हुए पानी को पिया। इसके बाद वह भेड़ों को लेकर घर आ गया। आज सुबह होने पर उसने देखा तो 15 भेड़ मृत पड़ी थी और चार बुरी तरह से

छटपटा रही थी। उसने तुरंत प्राइवेट चिकित्सक को बुलाकर भेड़ों को दिखवाया। उसने बताया कि भेड़ों ने जिस पानी को पिया है, उसमें कोई जहरीला पदार्थ मिला हुआ था, जिसको पीने के बाद इनकी मौत हुई है। माना जा रहा है कि किसी ने कीटनाशक टंकी आदि रजबाहे में साफ की होगी। पीड़ित ने तहसील प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है।

नकली पुलिस बनकर ठगों ने एक व्यक्ति से 80 हजार रुपये ठगे

अधिक रुपयों की मांग करने पर पीड़ित को ठगी का हुआ अहसास

पीडित ने साइबर क्राइम हैल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराकर की कार्रवाई की मांग

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । गंगोह, नकली पुलिस बनकर ठगों ने एक व्यक्ति से 80 हजार रुपये ठग लिए। अधिक रुपयों की मांग करने पर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने साइबर क्राइम हैल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव बेरखेडी निवासी करण सिंह गंगोह के ककराली अड्डे पर घड़ीसाज की दुकान करते हैं। उनका बेटा गुड़गांव में नौकरी करता है। पीड़ित के अनुसार उसे एक व्यक्ति ने कॉल करके बताया कि वह गुड़गांव कोतवाली से बात कर रहा है। बताया कि उसके बेटे सहित चार युवकों को दुष्कर्म के आरोप में गुड़गांव पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बेटे को छुड़ाने के लिए 80 हजार रुपयों की मांग की गई। इतना सुनकर पीडित घबरा गया और 40-40 हजार रुपयों की दो ट्रांजक्शन बताए गए नंबर पर फोन पे के माध्यम से कर दी। इसके

बाद ठग ने उच्चाधिकारियों के 80 हजार में ना मानने की बात कही और एक लाख बीस हजार रुपये और मांगें। पीड़ित ने शक होने पर अपने पुत्र को फोन किया तो ठगी का पता चला।

नलकूप खनन प्रतिबंध

आदेश जारी होते ही बौरवैल्स एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, कटनी कलेक्टर द्वारा नलकूप खनन प्रतिबंध के आदेश जारी होने के बाद रविवार को बौरवैल्स एसोसिएशन के बैनर तारे झिंझरी में प्रदर्शन किया गया। संघ के सदस्यों का कहना है कि दो माह तक बोरिंग में प्रतिबंध रहने से भूखो को मारने की स्थिति आ जाएगी। वाहन मालिकों ने अपनी-अपनी मशीन राधास्वामी सत्संग भवन झिंझरी के सामने खड़ी कर दी है। प्रदर्शन कर रहे ठेकेदारों का कहना है कि अब शहरी क्षेत्र में नलकूप खनन का कोई कार्य नहीं किया जाएगा। अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में जल स्तर नीचे चला जाता है

लेकिन बारिश आते ही ऊपर आ जाता है। ऐसी परिस्थितियों में नलकूप खनन को पूरी तरह से प्रतिबंधित करना उचित नहीं है। इस कार्य में अनेक मजदूर भी लगे होते हैं जिनकी रोजी-रोटी छीनी जा रही है। संघ के सदस्यों ने सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है।

घर से खेत के लिए निकले किसान का शव सड़क किनारे पड़ा मिला, किसान दुर्घटना का हुआ शिकार, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मृतक के बेटे ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । नागल, बीती आधी रात में घर से खेत के लिए निकले किसान का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। किसान दुर्घटना का शिकार हुआ है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बेटे ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मृतक के बेटे योगेश ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसके पिता जगदीश (55) पुत्र भगली रात करीब 11 बजे साइकिल से खेत पर जाने को

कहकर निकले थे। आज सुबह तक जब वह नहीं लौटे तो उन्होंने खेत पर तलाश की लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग पाया। बाद में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि एक शव नागल- टपरी मार्ग पर लखनौर के निकट मिला है। मौके पर पहुंचे तो शव की पहचान उनके पिता जगदीश के रूप में हुई। इसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जगदीश पांच बीघा जमीन का छोटा सा किसान था। वह मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण कर रहा था। थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर बौद्ध ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गई है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद के प्रबंधतंत्र को देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया

लोकसभा चुनाव संपन्न होने पर के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में घोषित किया गया था

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, देवबंद के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद के प्रबंधतंत्र को देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। लोकसभा चुनाव संपन्न होने पर के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में घोषित किया गया था आज जिला अधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र की ओर से शहर कोतवाल संजीव कुमार ने प्रबंधक दीपक राज सिंघल एवं प्रधानाचार्य राजकुमार

जी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन एवं कॉलेज स्टाफ के अनेकों लोग उपस्थित थे।

आठ साल बाद कोर्ट में समर्पण करने पहुंचा 11 लाख की धोखाधड़ी का आरोपित

ग्वालियर। बीमा पालिसी के नाम पर 11 लाख की धोखाधड़ी करने वाला आफताब कुरैशी आठ साल बाद सोमवार को जिला न्यायालय में पेश हुआ । जिस स्थिति में वह न्यायालय में पेश हुआ है , न्यायाधीश ने स्वयं उसे कोर्ट परिसर में आकर देखा और उसकी जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया । दरअसल रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी से जूझ रहा यह आरोपित चलने फिरने तो क्या उठने बैठने की भी स्थिति में नहीं था । आटो में बैठकर कोर्ट पहुंचे इस आरोपित की रिपोर्टस कोर्ट में पेश की गई जिसके बाद उसकी स्थिति देख कर कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। बचाव पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता वैभव मिश्रा ने बताया कि आरोपित को फरार बताया गया है लेकिन उसे अब तक पुलिस द्वारा कोई नोटिस नहीं भेजा गया। पुलिस द्वारा उसे अवैध रूप से परेशान किया जाता रहा है जिसके बाद वह इस मामले में समर्पण करने न्यायालय

पहुंचा था।आठ साल बाद कोर्ट में समर्पण करने पहुंचा 11 लाख की धोखाधड़ी का आरोपित

बीमा पालिसी के नाम पर 11 लाख की धोखाधड़ी करने वाला आफताब कुरैशी आठ साल बाद सोमवार को जिला न्यायालय में पेश हुआ । जिस स्थिति में वह न्यायालय में पेश हुआ है , न्यायाधीश ने स्वयं उसे कोर्ट परिसर में आकर देखा और उसकी जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया । दरअसल रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी से जूझ रहा यह आरोपित चलने फिरने तो क्या उठने बैठने की भी स्थिति में नहीं था । आटो में बैठकर कोर्ट पहुंचे इस आरोपित की रिपोर्टस कोर्ट में पेश की गई जिसके बाद उसकी स्थिति देख कर कोर्ट ने उसे जमानत दे दी। बचाव पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता वैभव मिश्रा ने बताया कि आरोपित को फरार बताया गया है लेकिन उसे अब तक पुलिस द्वारा कोई नोटिस नहीं भेजा गया। पुलिस द्वारा उसे अवैध रूप से परेशान किया जाता रहा है जिसके बाद वह इस मामले में समर्पण करने न्यायालय पहुंचा था।

24 घंटों में 8 लोगों ने की आत्महत्या

कोई प्यार में असफल रहा, तो किसी ने पत्नी से परेशान होकर जीवन लीला समाप्त की

उज्जैन बीते 24 घंटों में 8 लोगों ने अलग-अलग तरीके से आत्महत्या कर ली जिनके शवों का पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराने के बाद जांच शुरू की गई है। मृतकों के परिजनों के मुताबिक कोई प्यार में असफल हुआ था तो कोई पत्नी से परेशान था

जहर खाने का वीडियो बनाया

शोएब खान पिता शाकीर खान 24 वर्ष निवासी एकता नगर मिस्त्री का काम करता था। उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पिता शाकीर खान ने बताया कि शोएब का पिछले एक वर्ष से पड़ोस में रहने वाली लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की ने शोएब से निकाह का वादा किया लेकिन बाद में परिजनों के दबाव में मुकर गई। वहीं लड़की के पिता राजा रमजानी, अकमल, अल्फेज ने शोएब के साथ मारपीट की तो उसने जहर खाने का वीडियो मोबाइल से बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। गंभीर हालत में शोएब को अस्पताल में भर्ती कराया था जहां तहसीलदार को बयान में भी उसने लड़की के परिजनों द्वारा मारपीट करने के कारण आत्महत्या का कदम उठाने की बात कही थी।

बारात में गया और जहर खा लिया

कैलाश पिता कनीराम 25 वर्ष निवासी नागगुराडिया़ थाना झार्डा 4 दिन पहले शादी समारोह में शामिल होने पंचेड़ गया था। वहां शराब के साथ जहर खा लिया। रिश्तेदार उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। भाई दिनेश ने बताया कि कैलाश उज्जैन में ही डॉक्टर के घर नौकरी करता था। उसके दो बच्चे हैं। पुलिस ने बताया कि कैलाश ने जहर खाकर आत्महत्या की जबकि परिजन कह रहे थे कि अधिक शराब पीने से उसकी मृत्यु हुई है। शव का पीएम कराया जा रहा है।

शादी के एक साल बाद कर ली आत्महत्या

गणेश पिता बापूलाल 24 वर्ष निवासी गंगेड़ी थाना चिंतामण ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि गणेश मजदूरी करता था। उसकी एक वर्ष पहले शादी हुई थी और 1 बच्चा है। घटना के समय उसकी पत्नी घर में अकेली थी। परिजन तबियत बिगडऩे पर अस्पताल लेकर आये जहां उसकी मृत्यु हो गई।

होटल में युवक ने जहर खाया

देवनाथ पिता आलोकनाथ 37 वर्ष निवासी विष्णुपुरा इंदौर 26 अप्रैल को उज्जैन दर्शन करने आया और नानाखेड़ा स्थित होटल में ठहरा था। रविवार दोपहर उसे होटल से चुकआउट करना था लेकिन वह काउंटर पर नहीं पहुंचा। होटल कर्मचारी उसे कमरे में बुलाने गये। दरवाजा खोलकर देखा तो देवनाथ की लाश पड़ी थी। पुलिस ने बताया कि देवनाथ ने जहर खाकर आत्महत्या की थी। उसके परिजनों को सूचना दी गई है। वह विवाहित था।

पत्नी नदी पर कपड़े धोने गई, पति फांसी पर झूला सोमसिंह पिता सुदेश 25 वर्ष निवासी गोंड बस्ती थाना महाकाल मजदूरी करता था। कल दोपहर उसकी पत्नी रीना दो बच्चों के साथ नदी पर कपड़े धोने गई थी। वापस लौटी तो सोमसिंह के कमरे का दरवाजा नहीं खुला। उसने आसपास के लोगों को बुलाया जिन्होंने दरवाजा तोड़कर देखा तो सोमसिंह फांसी के फंदे पर झूलता दिखा। उसके बड़े भाई खौफ सिंह ने बताया कि सोमसिंह ने साड़ी से फांसी लगाई थी। उसने किन कारणों से फांसी लगाई इसकी जानकारी नहीं है।

पत्नी के मायके जाने पर लालपुल से कूदा था युवक

रविवार सुबह अज्ञात युवक ने लालपुल से नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। नीलगंगा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव की शिनाख्ती के प्रयास शुरू किये। दोपहर में रिश्तेदार अजय ने अस्पताल पहुंचकर शव कीशिनाख्त योगेश पिता मोतीलाल 35 वर्ष निवासी जयसिंहपुरा के रूप में की। पुलिस ने बताया कि योगेश मजदूरी करता था। उसकी पत्नी मायके गई थी। परिजनों ने आत्महत्या का कारण नहीं बताया है। इसी प्रकार एक महिला ने जहर खाकर व एक युवक ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की। पंवासा पुलिस ने बताया कि घटना माधोपुरा रेलवे ट्रेक की है। अज्ञात युवक जिसकी उम्र 40-45 वर्ष के लगभग दिखती है उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को पीएम के लिये सीएच पहुंचाया गया है।

सी एम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झारड़ा में सम्मान समारोह आयोजित

झारडा सी एम राइज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झारड़ा में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों एवं बोर्ड परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया असफिया खान ने कक्षा दसवीं हिंदी विषय का अध्यापन किया एवं उनके विषय का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा अजय कुमार शर्मा कक्षा ग्यारहवीं गणित विषय के अध्यापन में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया सीमा कुशवाहा रसायन शास्त्र विषय के अध्यापन में कक्षा 12वीं का शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया राजू सिंह रिटेल विषय के अध्यापन में कक्षा दसवीं में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया चंद्रशेखर व्यास संस्कृत विषय के अध्यापन में कक्षा दसवीं में शत परीक्षा परिणाम दिया इंदिरा पराशर कक्षा बारहवीं हिंदी विषय के अध्यापन में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम दिया इसी तरह से कक्षा दसवीं एवं 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी चेतन अशोक सोलंकी रोहित भगवान सिंह योगेश पदम सिंह एवं कक्षा दसवीं से गौरव अर्जुन जितेंद्र पिता गोवर्धन आशीष पिता सूरजमल दिलीप पिता घनश्याम राम प्रसाद पिता नारायण युवराज पिता प्रकाश चंद्र बृजेश पिता जगदीश तन्मय पिता नवीन बड़ेजा का सम्मान पुष्पमाला पहनकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य नवीन कुमार गर्ग हरि प्रसाद जायसवाल,भेरूलाल चौहान श्रद्धा विश्वकर्मा श्रवण परमार, आशुतोष दीक्षित डॉक्टर सैयदा खालिदा, रुचिका परमार,लक्ष्मी देवल रामलाल कुमावत,शशि सविता रघुराज सिंह चौहान, अनिल कुमार सोनी वंदना पालीवाल, पंकज जोशी, नगमा बी स्नेहा जोशी नारायण प्रजापति एवं स्टाफ के अन्य सभी सदस्यों ने शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी कार्यक्रम का संचालन आशुतोष दीक्षित द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन हरि प्रसाद जायसवाल द्वारा किया गया

थाना नई आबादी द्वारा आदर्श आचार संहिता के दोरान की गई अवैध मादक पदार्थ तस्कर के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही

पंजाब के तस्कर की लग्झरी क्रेटा कार से 01 किलो 500 ग्राम अफीम एवं कार जप्त की जाकर दो आरोपी गिरफ्तार

कार्य का विवरण:- वर्तमान मे जिले में आगामी लोकसभा चुनाव के मध्येनजर आदर्श आचार संहिता लागु है जिसके तारतम्य मे मादक पदार्थ तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देष के तारतम्य में पुलिस थाना नई आबादी के द्वारा श्री अनुराग सुजानिया पुलिस अधीक्षक महोदय जिला मंदसौर के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सतनाम सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी थाना नई आबादी श्री वरुण तिवारी के कुशल नेतृत्व में थाना नई आबादी टीम के द्वारा दिनांक 28.04.2024 को आरोपी 1 हरजेन्द्र सिहं पिता रघवीर सिंह जाति जाट उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम इसापुर थाना धुरी तह0 शेरपुर जिला संगरूर पंजाब 2 सत्यवेन्द्र सिंह पिता रघवीर सिंह जाति जाट उम्र 37 ग्राम इसापुर थाना धुरी तह0 शेरपुर जिला संगरूर के कब्जे वाली एक हुण्डई क्रेटा कार क्र पीबी 59बी 9005 की सीट के नीचे से नालछामाता फंटा के पास हाईवे रोड मंदसौर पर वाहन चेकिंग के दोरान एक प्लास्टीक की थेली मे भरा अवैध मादक पदार्थ अफीम कुल 01 किलो 500 ग्राम जप्त की जाकर एनडीपीएस एक्ट के आज्ञापक प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये आरोपी हरजेन्द्र एवं सत्यवेन्द्र के विरुद्द अपराध क्रमांक 81/24 धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत कायम कर अनुसंधान में लिया गया है आरोपीगण द्वारा अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत के संबध मे पुछताछ की जा रही है । गिरफ्तार आरोपी के नाम 1. हरजेन्द्र सिहं पिता रघवीर सिंह जाति जाट उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम इसापुर थाना धुरी तह0 शेरपुर जिला संगरूर पंजाब 2 सत्यवेन्द्र सिंह पिता रघवीर सिंह जाति जाट उम्र 37 ग्राम इसापुर थाना धुरी तह0 शेरपुर जिला संगरूरजप्त सामग्री - 01 किलो 500 ग्राम अफीम किमती 3 लाख रुपये

02 हुण्डई क्रेटा कार पीबी 59बी 9005 किमती 14 लाख रुपये ।

पुलिस टीम-उक्त कार्यवाही में श्री वरुण तिवारी थाना प्रभारी नई आबादी, उनि एम एस यादव सउनि फिरोज कुरेशी, प्रआर 456 तरुण देवडा प्रआर 72 जीवन राठोर, आर 786 नेमाराम जाट , आर 62 संदीप यादव मंदसौर का सराहनीय योगदान रहा।

घाना मेली पंचायत में धरातल से स्टाप डेम गोल, सरपंच सचिव की मिली भगत से लाखो की राशि का हो रहा बंदर बाट

स्टाप डैम धरातल पर बना नही फर्जी मूल्यांकन कर दिया गया

जबेरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत घाना मेली में गहरा नाला के पास स्टापडेम नरेगा पोर्टल पर कंप्लीट दिख रहा है और जब धरातल पर जाकर देखा तो वहा दूर दूर तक कोई नामो निशान ही नही है वहीं पर देखा जाए तो ग्रामीणों कमलेश पटेल, राज वीर पटेल का कहना है की घाना मेली पंचायत में तीन स्टाप डेम तो शुविकृत हुए है मगर अभी तक कही भी एक भी स्टाप डेम नही बना है हा इतना जरूर है की पुराने स्टाप डेम की रिपेरिंग जरूर कर रहे हैं और उसकी डेली सुबह शाम जियो टेक के मध्यम से फोटो जरूर खेचते हैं लेकिन जब ग्रामीणों ने पूछा सचिव सरपंच से की यहां की फोटो क्यों बार सुबह शाम खीचते हो,,तो सरपंच का कहना की कुछ नही बस ऐसे ही निकालते । वही पर ग्रामीणों का कहना की उसके साथ साथ उसी समय पुराने स्टाप डेम की भी डेली फोटो निकलते हैं

30 अप्रैल से 2 मई तक उन मतदान दलों की ट्रेनिंग जो चुनाव करवाएंगे

कूलर ,पंखों के साथ रहेगी शीतल पेयजल की व्यवस्था

कुक्षी / धार महू लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 25 के लिए 13 मई सोमवार को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव पूर्व उन मतदान दलों की ट्रेनिंग होने जा रही है जो इस चुनाव को सम्पन्न कराएंगे । विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 198 कुक्षी में एसडीएम व सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रमोदसिंह गुर्जर के मार्गदर्शन में 30 अप्रैल से 2 मई तक तीन दिवसीय ट्रैनिंग प्रात: साढ़े 10 बजे से शाम 5 बजे तक होगी । 10 कक्षों में 20 मास्टर ट्रेनर्स इन मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों व मतदान अधिकारियों को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ मशीन संयोजन व सञ्चालन , हैंडसऑन , निर्वाचन कार्य में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रपत्रों को भरने तथा व्यवहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए प्रशिक्षण देंगे । शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुक्षी में प्रशिक्षण नोडल अधिकारी तहसीलदार काशीराम वास्कले सहायक नोडल अधिकारी अनिल कुमार दलाल , नरेन्द्र कुमार सिर्वी , विनय खामगांवकर सहित प्रशिक्षण अधिकारियों की टीम द्वारा तैयारी कर ली गई है । प्रत्येक कक्ष में प्रोजेक्टर की व्यवस्था भी की गई है। शीतल पेयजल के साथ गर्मी को देखते हुए कक्षों में कूलर व पंखों की व्यवस्था की गई है। सिविल हॉस्पिटल की स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स की टीम भी प्रशिक्षण स्थल पर मौजूद रहेगी । महिला अधिकारी कर्मचारियों के छोटे बच्चों के लिए आंचल कक्ष भी बनाया गया है जहां महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं द्वारा बच्चो की देखभाल की जावेगी। इन बच्चों के लिए खिलोने आदि कक्ष में रहेंगे । कक्ष में कूलर पंखे व शीतल पेयजल की व्यवस्था रहेगी । उक्त जानकारी निर्वाचन मीडिया अधिकारी मनोज साधु व निर्वाचन शाखा प्रभारी जीवन अलावा ने दी ।

एसडीएम ने दिलाई मतदान करने की शपथ

कुक्षी / लोकसभा चुनाव में अपने मत के अधिकार का उपयोग करने के लिए एसडीएम व सहायक रिटर्निंग ऑफिसर प्रमोदसिंह गुर्जर ने ग्राम निम्बोल विकासखण्ड निसरपुर में रात्रि चौपाल में मतदाताओं को बिना किसी लोभ लालच के निर्भीक होकर शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ ग्रहण करवाई । इस अवसर पर हर वोट है जरूरी के साथ वोट के महत्त्व को बताया गया । चौपाल में बड़ी संख्या पुरूषों के साथ महिला मतदाता और युवा वर्ग के मतदाता शामिल हुए तथा शत प्रतिशत मतदान का भरोसा दिलाया ।

डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगोली का बोर्ड परीक्षा परिणाम रहा श्रेष्ठ

कक्षा 12वीं गणित में अनुषा पिता पंकज मेहता एवं वाणिज्य में निर्जरा पिता भगवती लाल जैन नगर में रहे प्रथम

सिंगोली- माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा कक्षा 12वीं व 10 वीं के घोषित परीक्षा परिणाम में - डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल सिंगोली का कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम वाणिज्य संकाय में 100%, विज्ञान संकाय में गणित संकाय का 100% एवं जीव विज्ञान संकाय का 83% इस प्रकार कुल परीक्षा परिणाम 94% रहा। कक्षा 12वीं में कुल दर्ज 37 विद्यार्थियों में से 31 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की व 02 विद्यार्थी द्वितीय रहे। विषय शिक्षकों के प्रयासों से एवं माता-पिता के मार्गदर्शन द्वारा यह गुणात्मक उपलब्धि हासिल की है। कक्षा 12 वीं गणित संकाय में अनुषा पिता पंकज कुमार मेहता ने 88.4%, वाणिज्य संकाय में निर्जरा पिता भगवतीलाल जैन ने 86.8न्न अंक प्राप्त कर नगर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। साइंस फैकल्टी में जीव विज्ञान संकाय में अंशुल वर्मा पिता गिरधारीलाल जी वर्मा ने 86.4न्न अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 92% रहा कुल 39 विद्यार्थियों में 29 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में 07 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में आए। कक्षा 10 वीं में अंश मेहता पिता कैलाश मेहता ने प्रथम, अन्तिमबाला पिता पारस धाकड़ द्वितीय तथा रिया नागोरी पिता नरेंद्र नागोरी ने विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिवाईन स्कूल परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं की है ।

मतदाता जागरूकता हेतु ढाबला माधोसिंह मे आयोजित की गयी विभिन्न गतिविधियां

आज दिनांक 29 अप्रैल को संकुल शा . उ. मा . वि . ढाबला माधोसिंह के शिक्षको द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की स्वीप गतिविधी अंतर्गत ग्राम ढाबला में दिनांक - 13 मई 2024 को 100न्न मतदान करने हेतु जागरूक करने के लिए मतदाताओ से गृह सम्पर्क किया तथा प्रमुख चौराहो पर राहगीरो के वाहनो को रोककर उनपर मतदाता जागरूकता स्टीकर लगाये गये , सभी कर्मचारियों ने अपने अपने वाट्सेप स्टेटस पर मतदान जागरूकता स्टीकर लगाया गया एवं कर्मचारियो द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता तथा वाहन रैली का भी आयोजन किया गया ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मतदाता स्वीप के अंतर्गत बैठक आयोजित कर मतदान आवश्यक रूप से करने की शपथ दिलाई गई

बैठक में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाऐ पलक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थिति रही

गंज बासौदा शास. उत्कृष्ट उ. मा. वि. गंज बासौदा में मतदाता स्वीप गतिविधि अन्तर्गत पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय शिक्षक शिक्षिकाओ तथा पालक और छात्र-छात्राओं ने भागीदरी की सर्व प्रथम विद्यालय के प्राचार्य श्री एम. सी. शर्मा ने सभी को मतदान अनिवार्य रुप से करने हेतु शपथ दिलाई ! इसके पश्चात मानव श्रृंखला बनाकर मतदान के लिये प्रेरित किया ! अन्त में एन. एस. एस. प्रभारी दिनेश ओझा के मार्गदर्शन में विद्यालय के स्टॉफ सदस्यों के सहयोग से महिला एवं पुरुष पालको की कुर्सी दौड़ करायी गयी ! जिसमें महिला और पुरुष पालको ने बड़-चढ़ कर हिस्सा लिया। खेल प्रतियोगिता उपरान्त प्राचार्य श्री एम. सी. शर्मा ने विजेता पालकों को ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया गया अन्त में शिक्षक पालक बैठक का आयोजन किया गया ! सभी पालकों का आभार डल्ल. समीक्षा जैन उ. मा. शिक्षक ने व्यक्त किया कुर्सी दौड़ में विजेता पुरुष वर्ग में श्री संतोष अहिरवार तथा महिला वर्ग में डा. पार्वती पाल रहीं।

मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कन्नौद में बुजुर्ग मतदाताओं को सम्मानित किया तथा सभी से मतदान करने की अपील की

देवास- जिले में लोकसभा निर्वाचन-2024 में शतप्रतिशत मतदान के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषव गुप्ता तथा सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप अभियान श्री हिमांशु प्रजापति के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही है। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान के तहत जनपद पंचायत कन्नौद में बुजुर्ग मतदाताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई।

दुनियाभर में हुई 1.40 करोड़ इलेक्ट्रिक कारों बिक्री

ऑटो डेस्क. इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड काफी तेजी से बढ़ रही है। लोग पेट्रोल और डीजल वाहनों को छोड़ कर इलेक्ट्रिक वाहन चुन रहे हैं, जिसकी वजह से इनकी बिक्री में काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। इसी बीच इलेक्ट्रिक कारों को लेकर एक हैरान करने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी यानी आईईए ने दावा करते हुए कहा है कि 2023 में पूरी दुनिया में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री 1.40 करोड़ यूनिट रही। ये आंकड़ा चीन, यूरोप और अमेरिका की सारी बिक्री पर आधारित है। इस सेल रिपोर्ट के बाद दुनिया में इलेक्ट्रिक कार का आंकड़ा 4 करोड़ के करीब पहुंच गया है।

इलेक्ट्रिक कार की बिक्री ने बनाया रिकॉर्ड

आईईए की स्टडी में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रिक कार की बिक्री ने 2023 में नया रिकॉर्ड बनाया है। 2022 के मुकाबले 2023 में 35 लाख ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हुई है। इस तरह से दुनियाभर में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री में सालाना आधार पर 35 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। वहीं, साल 2018 के मुकाबले 2023 की बिक्री 6 गुना अधिक है। स्टडी में ये भी दावा किया गया है कि इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 95 फीसदी चीन, यूरोप और अमेरिका की बिक्री को जोड़कर बनी है। वहीं, इसका मतलब ये है कि एशिया, दक्षिण अमेरिका और बाकी जगहों पर इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री सिर्फ 5 फीसदी है।

2024 की पहली तिमाही में हुई इतनी बिक्री

स्टडी में ये भी बताया गया है कि 2024 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री वैश्विक स्तर पर अच्छी बनी हुई है। ये 2023 के पहली तिमाही के मुकाबले 25 फीसदी ज्यादा रही। इस दौरान 30 लाख से अधिक यूनिट्स की बिकी दर्ज हुई है। 2024 की पहली तिमाही में 19 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक कारों का पंजीकरण चीन में हुआ है। इस तरह से इलेक्ट्रिक कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ता बाजार चीन है।

अमेरिकी मीडिया ने फिर उठाई भारत पर उंगली, लिखा- रॉ अधिकारी ने पन्नू को मारने के लिए रखी थी हिट टीम

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिकी मीडिया ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू पर हमले की साजिश के मामले में फिर भारत पर उंगली उठाई है।वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व अधिकारी विक्रम यादव ने एक हिट टीम को काम पर रखा था और अमेरिकी धरती पर गुरपतवंत सिंह पन्नू पर हमले की साजिश थी। रिपोर्ट के मुताबिक, विक्रम यादव ने पन्नू के बारे में विवरण भेजा, जिसमें उसका न्यूयॉर्क का पता भी शामिल था। वाशिंगटन पोस्ट ने दावा किया कि विदेश मंत्रालय ने उसके लेख पर प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया है। नवंबर 2022 में फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अमेरिका ने पन्नू को मारने की साजिश को नाकाम कर दिया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि अमेरिका ने इस चिंता पर भारत सरकार को चेतावनी जारी की कि नई दिल्ली पन्नू को खत्म करने की साजिश में शामिल थी। भारत ने अमेरिकी आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया था, जिसमें कहा गया था कि पन्नू की हत्या की तथाकथित साजिश सरकारी नीति के विपरीत थी। इसके बाद, मैनहट्टन अदालत में एक अभियोग दायर किया गया जिसमें दावा किया गया कि निखिल गुप्ता नाम के एक व्यक्ति ने पन्नू की हत्या की योजना में भारत सरकार के अधिकारी के साथ मिलीभगत की, जिसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। अभियोग में एक अज्ञात व्यक्ति, सीसी-1 का उल्लेख किया गया था, जिसने कथित तौर पर भारत से पन्नू को मारने की साजिश का निर्देशन किया था।

चीन में एक साल पहले शून्य-कोविड नियम हटने के बावजूद बीजिंग पर लटक रही प्रतिबंधों की तलवार

बीजिंग: चीन द्वारा अपनी शून्य-कोविड नीति को छोड़ने के एक साल से अधिक समय बाद भी महामारी के दौरान लगाए गए कुछ सामाजिक नियंत्रण नियम बीजिंग में अभी भी लागू प्रतीत होते हैं। चीनी सोशल मीडिया पर जमा हो रही सार्वजनिक शिकायतों को मुख्यधारा के समाचार आउटलेट्स ने उठाया है। राय मीडिया अब मौजूदा स्थिति के विपरीत पुरानी प्रथाओं को समाप्त करने का आह्वान कर रहा है। पिछले कुछ महीनों में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में बीजिंग में मेट्रो टिकटों के लिए वास्तविक नाम पंजीकरण जारी रखना, परिसर और पर्यटन स्थलों तक सीमित पहुंच और अस्पताल आगंतुकों के लिए एक छोटा कोटा शामिल है। इन शिकायतों में से एक जो बहस में बदल गई, जिस पर राय समाचार एजेंसी शिन्हुआ की प्रतिक्रिया आई है है कि कुछ बीजिंग सबवे स्टेशनों को अभी भी टिकट जारी करने के लिए पहचान सत्यापन की आवश्यकता है। एक यूजर ने लिखा मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि इसे वर्तमान में वैध विनियमन के अनुसार लागू किया जाए, यूजर ने फरवरी में ज़ियाहोंगशु, या छोटी लाल किताब, इंस्टाग्राम पर चीन का जवाब पोस्ट किया था। कोविड-युग के नियम के अनुसार टिकट जारी करने से पहले यात्री को या तो टिकट मशीन के डैशबोर्ड पर अपने राष्ट्रीय पहचान पत्र को स्कैन करना होगा या अपना आईडी कार्ड नंबर और वास्तविक नाम जैसी जानकारी टाइप करनी होगी।एक अन्य विकल्प बीजिंग सरकार द्वारा लॉन्च किए गए स्मार्टफोन के लिए वन-स्टॉप-सर्विसेज एक्सटेंशन का उपयोग करना है, जो स्वास्थ्य कोड ऐप का अपग्रेड है जिसका उपयोग महामारी लॉकडाउन के दौरान लोगों की गतिविधियों को ट्रैक करने के लिए किया गया था। यूजर ने अपनी चिंता व्यक्त करने के लिए बीजिंग की नगरपालिका सार्वजनिक हॉटलाइन पर कॉल किया। सबवे कंपनी ने जवाब दिया कि बोर्डिंग के लिए वास्तविक नाम प्रणाली बीजिंग में मौजूदा रेल पारगमन सुरक्षा नियमों के अनुरूप थी। शंघाई और शेन्ज़ेन जैसे अन्य प्रमुख चीनी शहरों में ऐसे प्रतिबंध नहीं हैं। मेट्रो यात्रा के लिए वास्तविक नाम की आवश्यकता 2022 में पेश की गई थी, जब चीनी सरकार ने ट्रांसमिशन को रोकने के तरीके के रूप में कोविड -19 मामलों की गतिविधियों और व्यक्तिगत बातचीत को ट्रैक करने के लिए एक स्वास्थ्य कोड ऐप का उपयोग

प्रधानमंत्री ट्रूडो का दावा, कनाडा और उड़ानों, वायु मार्गों को जोड़ने के लिए भारत के साथ काम कर रहा

इंटरनेशनल डेस्क = कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख समुदाय को भरोसा दिलाया है कि भारत के साथ एक नये समझौते पर बातचीत की गई है ताकि दोनों देशों के बीच और उड़ानों एवं वायु मार्गों को जोड़ा जा सके। ट्रूडो की यह टिप्पणी रविवार दोपहर यहां खालसा दिवस परेड को उनके संबोधित करने के दौरान आई। उन्होंने कहा कि कई कनाडावासियों के प्रियजन भारत में रहते हैं जिनसे वे अक्सर मिलना चाहते हैं। ट्रूडो ने खालसा दिवस कार्यक्रम में कहा, यही कारण है कि हमारी सरकार ने दोनों देशों के बीच और भी उड़ानें एवं वायु मार्ग जोड़ने के लिए भारत के साथ एक नये समझौते पर बातचीत की है और हम अमृतसर सहित अन्य स्थानों के लिए और भी उड़ानें शुरू करने के वास्ते अपने समकक्षों के साथ काम करना जारी रखेंगे। कार्यक्रम में खालिस्तान के समर्थन में नारे भी लगे। नवंबर 2022 में, भारत और कनाडा ने एक समझौते पर सहमति जताई थी जो निर्दिष्ट एयरलाइन कंपनियों को दोनों देशों के बीच असीमित संख्या में उड़ानें संचालित करने की अनुमति देता है। इस समझौते से पहले, कनाडा और भारत के बीच निर्दिष्ट एयरलाइनों द्वारा प्रति सप्ताह उड़ानों की संख्या अधिकतम 35 थी। अभी यह पता नहीं चल सका है कि क्या दोनों देशों ने 2022 में हस्ताक्षरित समझौते का और विस्तार किये जाने पर चर्चा की है। ट्रूडो ने पिछले साल एक सिख अलगाववादी की हत्या में भारत के शामिल होने का आरोप लगाकर नयी दिल्ली को नाराज कर दिया था। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने संबोधन में, कनाडा में सिखों के अधिकारों और स्वतंत्रता की हमेशा रक्षा करने तथा नफरत और भेदभाव के खिलाफ समुदाय की रक्षा करने का भी संकल्प लिया। वैसाखी को खालसा दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह सिख नव वर्ष का प्रतीक है। ट्रूडो ने अपने भाषण की शुरुआत वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतह कहकर की। उन्होंने कहा, इस देश में सिख समुदाय के लगभग 8,00,000 कनाडाई लोगों के अधिकारों और आपकी स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे तथा हम हमेशा आपके समुदाय को नफरत और भेदभाव से बचाएंगे।

भीषण गर्मी के कारण कक्षा 8 तक के स्कूल बंद, कक्षा 9वीं से 12वीं तक का समय बदला

नेशनल डेस्क- भीषण गर्मी की स्थिति के मद्देनजर, मंगलवार से राज्य भर के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में कक्षा 8 तक की कक्षाओं को निलंबित करने की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह निलंबन अगली सूचना तक प्रभावी रहेगा।

आदेश 30 अप्रैल से प्रभावी

यह निर्णय झारखंड के सभी सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त सहित सभी श्रेणियों के स्कूलों पर लागू होता है, जिसका उद्देश्य छात्रों को चरम मौसम की स्थिति के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना है। अधिसूचना में कहा गया है, यह आदेश 30 अप्रैल से प्रभावी होगा। हालांकि, यह सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। झारखंड में भीषण गर्मी की स्थिति के मद्देनजर, मंगलवार से राज्य भर के सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में कक्षा 8 तक की कक्षाओं को निलंबित करने की घोषणा करते हुए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह निलंबन अगली सूचना तक प्रभावी रहेगा. यह निर्णय, सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त और गैर सहायता प्राप्त सहित सभी श्रेणियों के स्कूलों पर लागू होता है, जिसका उद्देश्य छात्रों को चरम मौसम की स्थिति के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना है। अधिसूचना में कहा गया है, यह आदेश 30 अप्रैल से प्रभावी होगा। हालांकि, यह सरकारी, गैर-सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा।

मदरसे में सीनियर छात्र ने बच्चे के साथ किया घिनौना कांड, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर जिले के एक मदरसे में आठ वर्षीय छात्र के साथ 21 वर्षीय छात्र द्वारा कथित तौर पर कुकर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना रविवार को कोतवाली पुलिस थाने के अंतर्गत एक गांव के एक मदरसे में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

छात्र के मदरसा जाने से इनकार करने पर सामने आया मामला- पुलिस

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस क्षेत्राधिकारी (शहर) व्योम बिंदल ने बताया कि आरोपी छात्र के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पास्को) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के अनुसार मामला तब सामने आया जब छात्र ने मदरसा जाने से इनकार कर दिया।

बलिया में घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म

बलिया जिले के नगरा थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक ने एक युवती के घर में घुसकर उससे कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। नगरा थाना के प्रभारी (एसओ) अतुल कुमार मिश्र ने सोमवार को तहरीर के हवाले से बताया कि नगरा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 19 वर्षीया युवती के घर में घुसकर गत 26 और 27 अप्रैल की मध्य रात्रि में थाना क्षेत्र के मलप गांव के सौरभ चौहान ने उससे बलात्कार किया।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जेल

मिश्र ने बताया कि इस मामले में युवती की मां की तहरीर पर सौरभ चौहान के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म), 354 (महिला की मर्जी के विरुद्ध अश्लील चित्र दिखाना) और 457 (रात में किसी के घर में छिपकर अतिचार करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी सौरभ चौहान को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। एसओ ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को रविवार को बलिया की एक स्थानीय अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस ने युवती को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

पतंजलि की दिव्य फार्मेसी के 10 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित

देहरादून: पतंजलि की दिव्य फार्मेसी के 10 उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। उत्तराखंड औषधि विभाग के लाइसेंस प्राधिकरण के एक आदेश में यह जानकारी दी गई। यह आदेश इस महीने की शुरुआत में औषधि एवं जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के उल्लंघन में कंपनी के इन उत्पादों के भ्रामक विज्ञापनों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए जारी किया गया है। वहीं आदेश के अनुसार, दिव्य फार्मेसी के जिन उत्पादों के विनिर्माण लाइसेंस को निलंबित कर दिया गया है उनमें श्वासारि गोल्ड, श्वासारि वटी, ब्रोंकोम, श्वासारि प्रवाही, श्वासारि अवलेहा, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट और मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर शामिल हैं।

बिहार के भागलपुर में एनएच-80 पर स्कॉर्पियो कार का सड़क हादसा, 6 लोगों की मौत

नेशनल डेस्क- बिहार के भागलपुर जिले में सोमवार रात एक एसयूवी पर ट्रक गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है. घटना घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर गांव के पास एनएच 80 पर घटी. जानकारी के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब स्कॉर्पियो कार में सवार सभी लोग मुंगेर से पीरपैंती एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे. यह हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ जब छड़ ले जा रहा ट्रक टायर फटने के बाद कार पर पलट गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया ट्रक पलटने से स्कॉर्पियो कार मलबे में दब गई। घटना के बाद त्वरित कार्रवाई की गई, स्थानीय निवासियों ने मलबे में फंसे घायल व्यक्तियों को बचाने में पुलिस की सहायता की। बचाव कार्य देर रात तक जारी रहा, घायल व्यक्तियों को भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है. यहां बता दें कि जहां यह हादसा हुआ, वहां नेशनल हाईवे पर सड़क निर्माण का काम चल रहा था. एक बारात में शामिल होने के लिए स्कॉर्पियो कार में ड्राइवर समेत 9 लोग सवार थे। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कॉर्पियो कहलगांव की ओर जा रही थी, जबकि एक ओवरलोडेड ट्रक कहलगांव से भागलपुर की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ।

रिटायरमैंट की उम्र में इस महिला ने जीता मिस यूनिवर्स का खिताब

इंटरनेशनल डेस्क: कहते हैं कि सपने पूरे करने की कोई उम्र नहीं होती बस जरूरत होती है जबे, मेहनत और हौंसले की। इस बात को साबित कर दिखाया है मिस यूनिवर्स ब्यूनस आयर्स 2024 का खिताब जीतने वाली एलेजांद्रा मारिया रोड्रिगेज ने जिन्नेहों 60 साल की उम्र में कई हसीनाओं को पीछे छोड़ते हुए ये खिताब जीता है । रिटायरमैंट और दादी बनने की उम्र में एलेजांद्रा मारिया रोड्रिगेज ने यह ताज पहनकर ना सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि साबित कर दिया कि उम्र महज एक नंबर है और खूबसूरती उम्र की मोहताज नहीं होती। अब दुनिया भर में उनके नाम की चर्चा हो रही है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स प्रांत की राजधानी ला प्लाटा की रहने वाली एलेजांद्रा पेशे से वकील और पत्रकार हैं। उन्होंने 18 से 73 साल की 34 अन्य महिलाओं से मुकाबला जीता। इस उम्र में भी उनका फैशन और स्टाइल युवाओं का दिल जीत रहा है। हर कोई उनके स्टाइलिश लुक का दीवाना बन चुका है। एलेजांद्रा को देखकर कोई नहीं कह सकता कि वे 60 साल की हैं। तस्वीरों में एलेजांद्रा ब्लैक कलर की बॉडी फिटेड स्लिट ड्रेस में किसी 30 साल की हसीना की तरह कहर ढा रही है। एलेजांद्रा का ड्रेसिंग सेंस काफी इंप्रेसिव है। वाइट कलर की शीथ ड्रेस में भी एलेजांद्रा स्टाइलिश लग रही हैं। इसमें नेक को स्क्वायर रखते हुए शॉर्ट फ्लटर स्लीव डिजाइन की गई है। इस ड्रेस को फ्रंट में ब्लैक बटन लगाकर क्लोज किया गया है। जूलरी में एलेजांद्रा ने सिर्फ नेकपीस और रिंग पहनी है। जबकि वाइट ड्रेस के साथ ग्लेडिएटर सैंडल कैरी की, जो

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569